■ वैशाख शुक्ल - 8 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 277 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 06-05-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 वोट बैंक के लिए वक्फ संशोधन कानून का विरोध कर रही है कांग्रेस : यादव

6 मानसिक त्रासदी बनती सोशल मीडिया की सनक

7 राफेल के ऊपर से 'नींबू-मिर्च' कब हटाएगी सरकार : अजय राय

फर्स्ट टेक

सीमा में घुसपैठ करने के आरोप में एक पाकिस्तानी नागरिक पकड़ा गया

गुरदासपुर/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारत की सीमा में घुसपैठ करने के आरोप में पाकिस्तान के एक नागरिक को पकड़ा है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दरिया मंसूर की सीमा चौकी (बीओपी) साहपुर के क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात बीएसएफ जवानों ने तीन मई की रात को सीमा बाड़ से आगे और भारतीय क्षेत्र में लगभग 250 मीटर के अंदर फल्कू नाला के पास संदिग्ध गतिविधियां देखीं। उन्होंने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति झाड़ियों के पीछे छिपा दिखा जिसकी पहचान पाकिस्तानी नागरिक के रूप में हुई। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) के साथ मिलकर इलाके की घेराबंदी की और देर रात पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ लिया।

ओडिशा : प्रश्नपत्र में त्रुटियों के कारण संयुक्त भर्ती परीक्षा रद्द

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा कर्मचारी चयन आयोग (ओएसएससी) ने सोमवार को कहा कि उसने प्रश्नपत्र में त्रुटियों के कारण 27 अप्रैल को हुई संयुक्त भर्ती मुख्य परीक्षा रद्द कर दी है। ओएसएससी के मुताबिक, परीक्षार्थियों ने शिकायत की थी कि सामान्य अंग्रेजी, ओड़िया भाषा और सामान्य अध्ययन विषय के कुछ हिस्से समेत पाठ्यक्रम के महत्वपूर्ण भाग प्रश्नपत्र से गायब थे। आयोग ने बताया कि इसके बाद ओएसएससी ने अभ्यर्थियों से फीडबैक और सुझाव आमंत्रित किए थे। ओएसएससी ने सोमवार को कहा, सभी सुझावों पर विचार करने के बाद आयोग ने 27 अप्रैल को हुई परीक्षा रद्द करने का फैसला किया है। आयोग ने बताया कि छह जुलाई को नये सिरे से संयुक्त भर्ती मुख्य परीक्षा आयोजित की जाएगी।

सुब्रमण्यन की सेवाएं समाप्त करने का फैसला भारत सरकार का : आईएमएफ

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सोमवार को कहा कि उसके कार्यकारी निदेशक के वी सुब्रमण्यन की सेवाएं समाप्त करने का फैसला भारत सरकार ने किया था। भारत ने सुब्रमण्यन की सेवाएं उनके तीन साल का कार्यकाल पूरा होने से छह महीने पहले ही खत्म कर दी हैं। वह 30 अप्रैल, 2025 को सेवा मुक्त हो गए। हालांकि, सुब्रमण्यन के आईएमएफ से हटने के कारणों की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। आईएमएफ के प्रवक्ता ने इस बारे में संपर्क किए जाने पर कहा, ''कार्यकारी बोर्ड के किसी भी सदस्य की नियुक्ति और कार्यकाल समाप्ति के बारे में फैसला उनका देश करता है।

सूर्यास्त 06-05-2025 6:35 बजे | सूर्योदय 07-05-2025 5:56 बजे

BSE	NSE
80,501.99	24,346.70
(+259.75)	(+12.50)

सोना	चांदी
10,126 रु.	98,332 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

युद्ध करो

मर रहे नागरिक सैनिक जब,
सद्भाव सभी खो जाने दो।
लाशों के सौदागर को अब,
लाशें अपनी ढो जाने दो।
भाइचारे के सपने को अब,
सपनों में सो जाने दो।
है युद्ध अगर अंतिम विकल्प,
तो चलो युद्ध हो जाने दो।।

किसी भी हमले की तैयारी के लिए

गृह मंत्रालय ने कई राज्यों से 'मॉक ड्रिल' करने को कहा

■ **गृह मंत्रालय की ओर से भेजे गए परिपत्र में कहा गया है कि 'मॉक ड्रिल' के दौरान किए जाने वाले उपायों में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन का संचालन, नागरिकों को 'किसी भी हमले' की सूरत में खुद को बचाने के लिए सुरक्षा पहलुओं पर प्रशिक्षण देना और बंकरों एवं खाइयों की साफ-सफाई शामिल है।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच उभर रहे 'नये और जटिल खतरों' के मद्देनजर सभी राज्यों से सात मई को 'मॉक ड्रिल' आयोजित करने को कहा है।

सभी राज्यों एवं केंद्र-शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को गृह मंत्रालय की ओर से भेजे गए परिपत्र में कहा गया है कि 'मॉक ड्रिल' के दौरान किए जाने वाले उपायों में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन का संचालन, नागरिकों को 'किसी भी हमले' की सूरत में खुद को बचाने के लिए सुरक्षा पहलुओं पर प्रशिक्षण देना और बंकरों एवं खाइयों की साफ-सफाई शामिल है।

अन्य उपायों में दुर्घटना की स्थिति में 'ब्लैकआउट' के उपाय, महत्वपूर्ण संयंत्रों और प्रतिष्ठानों की रक्षा तथा निकासी योजनाओं को अद्यतन करना एवं उनका पूर्वाभ्यास करना शामिल है।

'मॉक ड्रिल' में वायुसेना के साथ हॉटलाइन और रेडियो-संचार लिंक का संचालन, नियंत्रण कक्षों और छाया नियंत्रण कक्षों की कार्यक्षमता का परीक्षण भी शामिल है।

अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा और होम गार्ड महानिदेशालय की ओर से जारी पत्र में कहा गया है, ''मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य में नये और जटिल खतरे/चुनौतियां उभरी हैं, इसलिए यह समझदारी होगी कि राज्यों/केंद्र-शासित प्रदेशों में हर समय इष्टतम नागरिक सुरक्षा तैयारियां बनाए रखी जाएं।''

इसमें कहा गया है कि सरकार ने सात मई को देश के 244 वर्गीकृत नागरिक सुरक्षा जिलों में नागरिक सुरक्षा अभ्यास और रिहर्सल आयोजित करने का निर्णय लिया है।

पत्र में कहा गया है, ''अभ्यास का आयोजन गांव स्तर तक करने की योजना बनाई गई है। इस अभ्यास का उद्देश्य सभी राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों में नागरिक सुरक्षा तंत्र की तैयारी का आकलन करना और उसे बढ़ाना है।''

वक्फ अधिनियम के खिलाफ याचिकाओं पर 15 मई को होगी सुनवाई

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अगले प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई के नेतृत्व वाली पीठ 15 मई को विचार करेगी। मौजूदा प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना 13 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। न्यायमूर्ति खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ जैसे ही सुनवाई के लिए बैठी, सीजेआई ने कहा, ''कुछ ऐसे पहलू हैं, जिनसे आप (केंद्र) निपट चुके हैं, लेकिन उस पर स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। मैं इस अंतरिम चरण में कोई निर्णय या आदेश सुरक्षित नहीं रखना चाहता। इस मामले की सुनवाई यथोचित रूप से शीघ्र करनी होगी और यह मेरे समक्ष नहीं होगी।'' न्यायमूर्ति खन्ना के 13 मई को सीजेआई पद से सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद न्यायमूर्ति गवई अगले सीजेआई के रूप में उनका स्थान लेंगे।

भारत विरोधी गतिविधियां जारी रहीं तो

पाकिस्तान का नामोनिशान मिटा देंगे : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमीरपुर (हिमाचल)/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अनुराग ठाकुर ने सोमवार को पाकिस्तान पर सीमा पर अशांति फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर पड़ोसी देश भारत विरोधी गतिविधियां जारी रखता है, तो उसे पूरी तरह मिटा दिया जाएगा। पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में हुए आतंकी हमले के विरोध में पार्टी की ओर से यहां गांधी चौक पर आयोजित एक जिला स्तरीय रैली को संबोधित करते हुए ठाकुर ने कहा कि भारत सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि उचित समय पर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया जाएगा।

हमीरपुर से मौजूदा सांसद ठाकुर ने कहा, अगर पाकिस्तान भारत विरोधी हरकतें करता रहेगा, तो उसे विश्व की राज्य व्यवस्था से पूरी तरह मिट जाएगा।

शिमला में भाजपा नेताओं ने उपायुक्त को एक ज्ञापन सौंपा और राज्य में कानूनी या अवैध तरीके से रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की तत्काल पहचान कर उन्हें वापस उनके देश भेजने की मांग की। इसके अलावा लोअर बाजार क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान विरोधी नारे लगाते हुए मार्च भी निकाला।

हिमाचल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल ने कहा कि राज्य में पाकिस्तानियों को नहीं रखा जा सकता। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 17 स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किए गए हैं। बिंदल ने कहा कि अगर राज्य सरकार पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान कर उन्हें वापस नहीं भेजती, तो भाजपा जल्द ही एक 'जागरण अभियान' चलाएगी। रैली को संबोधित करते हुए ठाकुर ने यह भी आरोप लगाया कि जहां एक ओर केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कूटनीतिक कदम उठाते हुए भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने की प्रक्रिया तेज कर दी है, वहीं दूसरी ओर हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार इस विषय पर गंभीर नहीं है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एशियाई विकास बैंक से की

आतंकवाद-समर्थक पाकिस्तान की वित्तीय मदद बंद करने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से पाकिस्तान को वित्तीय मदद बंद करने की सोमवार को मांग करते हुए कहा कि पड़ोसी देश आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देता है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि इटली के मिलान में एडीबी के अध्यक्ष मसातो कांडा के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान सीतारमण ने बहुपक्षीय वित्तपोषण एजेंसी से पाकिस्तान को दिए जाने वाले धन पर रोक लगाने का आग्रह किया।

भारत, अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) सहित वैश्विक बहुपक्षीय एजेंसियों से पाकिस्तान को दिए गए धन व ऋण पर पुनर्विचार करने का अनुरोध कर रहा है।

पिछले महीने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए नृशंस आतंकवादी हमले के बाद भारत पड़ोसी देश को कूटनीतिक ढंग से और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर घेरने की तैयारी कर रहा है। इस आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी।

अधिकारियों ने पहलगाम हमले में शामिल पांच आतंकवादियों की पहचान की है जिनमें तीन पाकिस्तानी नागरिक हैं।

एडीबी ने 31 दिसंबर, 2024 तक पाकिस्तान को 764 सार्वजनिक क्षेत्र के ऋण, अनुदान और तकनीकी सहायता देने का वादा किया था जिनका कुल मूल्य करीब 43.4 अरब अमेरिकी डॉलर है।

पाकिस्तान में एडीबी के मौजूदा 'सरकारी पोर्टफोलियो' में 9.13 अरब अमेरिकी डॉलर के 53 ऋण और तीन अनुदान शामिल हैं।

मैं यह निर्णय कर्नाटक की समझदार जनता पर छोड़ता हूं कि गलती किसकी है : सोनू निगम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मशहूर गायक सोनू निगम ने बेंगलूरु में हाल ही में आयोजित एक संगीत कार्यक्रम के दौरान कन्नड़ समुदाय के बारे में उनकी टिप्पणी को लेकर हुए विवाद के सिलसिले में सोमवार को कहा कि वह यह तय करने का जिम्मा कर्नाटक की समझदार जनता पर छोड़ते हैं कि मामले में गलती किसकी है। निगम ने यह बयान ऐसे समय में दिया है, जब कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (केएफसीसी) ने कन्नड़ समुदाय के बारे में विवादास्पद टिप्पणी करने के आरोप में उनके खिलाफ 'असहयोग' अभियान शुरू करने की घोषणा की है।

गायक ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर एक बयान में कहा कि वह इस मामले में कर्नाटक के पुलिस अधिकारियों के साथ सहयोग करेंगे और फैसला चाहे जो भी हो, राज्य के लोगों से मिले प्यार को हमेशा संजोकर रखेंगे। निगम ने कहा, ''मैं यह तय करने का जिम्मा कर्नाटक के समझदार लोगों पर छोड़ता हूं कि मामले में गलती किसकी है। मैं आपके फैसले को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करूंगा। मैं कर्नाटक की कानून प्रवर्तन एजेंसियों और पुलिस का पूरा सम्मान करता हूं और उन पर भरोसा करता हूं। मुझसे जो भी अपेक्षा की जाएगी, मैं उस पर खरा उतरूंगा।''

निगम ने कहा कि कर्नाटक के लोगों ने उन्हें बहुत प्यार दिया है, लेकिन वह कोई युवा ''लड़के'' नहीं हैं कि कोई उनका अपमान करे और वह जवाब में कुछ न बोलें। उन्होंने कहा, ''मैं 51 साल का हूं और मुझे इस बात पर आपत्ति जताने का पूरा अधिकार है कि मेरे बेटे की उम्र के युवा ने हजारों लोगों के सामने मुझे भाषा के नाम पर धमकाया और वह भी कन्नड़ में, जबकि काम के मामले में यह मेरे लिए दूसरी भाषा है। संगीत कार्यक्रम में मेरे पहले गाने के ठीक बाद यह सब हुआ। उसने कुछ और लोगों को भी उकसाया। उसके अपने लोग शर्मिंदा थे और वे उससे चुप रहने के लिए कह रहे थे...।''

निगम ने कहा, मैंने उनसे बहुत विनम्रता से कहा था कि अभी कार्यक्रम शुरू ही हुआ है और यह मेरा पहला गाना है तथा मैं उन्हें निराश नहीं करूंगा, लेकिन इसके लिए उन्हें मुझे कार्यक्रम को उसी तरह से जारी रखने देना होगा, जैसा कि मैंने सोचा है। हर कलाकार गानों की एक सूची तैयार करके आता है, जिससे संगीतकार और तकनीशियन के बीच तालमेल न बिगड़े। लेकिन वे तो हंगामा मचाने और मुझे धमकाने पर आमादा थे। मुझे बताइए कि इसमें गलती किसकी है?

उन्होंने कहा कि एक देशभक्त होने के नाते वह ''भाषा, जाति या धर्म'' के नाम पर नफरत पैदा करने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति से घृणा करते हैं, खासकर जम्मू- कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद।

निगम ने कहा, मुझे उन्हें सबक सिखाना था और मैंने यही किया। हजारों छात्रों और शिक्षकों ने इसके लिए मेरी सरहाना की। मामला शांत हुआ और मैंने कन्नड़ भाषा में एक घंटे से ज्यादा समय तक गाना गाया। यह सब सोशल मीडिया पर मौजूद है। संगीत कार्यक्रम के दौरान कन्नड़ लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद निगम शनिवार को इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक वीडियो में अपने कदम को जायज ठहराते हुए नजर आए।

भारत ने हमला किया या जल प्रवाह बाधित किया तो परमाणु हथियारों से जवाब दिया जाएगा : पाकिस्तान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद नई दिल्ली और इस्लामाबाद के मध्य तनाव के बीच यहां पाकिस्तान के राजदूत ने चेतावनी दी कि यदि उनके देश पर हमला किया गया या उसके महत्वपूर्ण जल प्रवाह को बाधित किया गया तो पाकिस्तान परमाणु हथियारों सहित ''पूरी ताकत'' से जवाब देगा। मुहम्मद खालिद जमाली ने रविवार को रूस की सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' के साथ साक्षात्कार के दौरान यह टिप्पणी की। यह चेतावनी देते हुए कि पाकिस्तान किसी भी आक्रमण का जवाब देने के लिए तैयार है, राजदूत ने कहा, ''हम पाकिस्तान में पारंपरिक और परमाणु दोनों प्रकार की पूरी ताकत का इस्तेमाल करेंगे।''

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

जमाली ने भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि के संबंध में इस्लामाबाद की स्थिति को दोहराया, जिसे नई दिल्ली ने आतंकवादी हमले की वजह से अपनी कूटनीतिक प्रतिक्रिया के तहत पिछले सप्ताह निलंबित कर दिया था। उन्होंने कहा, ''निचले तटवर्ती क्षेत्र के पानी को हड़पने, उसे रोकने या उसकी दिशा बदलने का कोई भी प्रयास पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई होगा और इसका जवाब पूरी ताकत से दिया जाएगा, जिसमें परमाणु हमला भी शामिल है।''

राजदूत ने हालांकि तनाव कम करने का आग्रह किया और कहा कि दोनों देशों के पास परमाणु हथियार होने के कारण खतरा उत्पन्न हो सकता है। पाकिस्तान ने इससे पहले कश्मीर हमले की ''तटस्थ और विश्वसनीय जांच'' की मांग की थी।

पाकिस्तान ने 'फतह' मिसाइल का 'प्रशिक्षण परीक्षण' किया

इस्लामाबाद/भाषा। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत के साथ तनाव बढ़ने के बीच पाकिस्तान ने सोमवार को 120 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली 'फतह श्रृंखला' की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का सफल 'प्रशिक्षण परीक्षण' किया। सेना की मीडिया शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि जारी अभ्यास 'इंडस' के तहत यह परीक्षण किया गया। बयान में कहा गया कि इस परीक्षण का उद्देश्य सैनिकों की अभियानगत तत्परता सुनिश्चित करना और मिसाइल की उन्नत दिशा-निर्देशन प्रणाली तथा सटीकता सहित प्रमुख तकनीकी मापदंडों को देखना था।

यह प्रशिक्षण परीक्षण ऐसे समय किया गया जब 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 26 लोगों की हत्या किए जाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। इस परीक्षण के समय पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ पाकिस्तान के सामरिक संगठनों के अधिकारी, वैज्ञानिक और इंजीनियर भी मौजूद थे।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में

रूस ने भारत का पूरा समर्थन किया

नई दिल्ली/भाषा। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात की और कहा कि रूस आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई का पूरा समर्थन करता है तथा पहलगाम आतंकवादी हमले के साजिशकर्ताओं को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए। रूसी दूतावास की ओर से जारी एक वक्तव्य में कहा गया कि पुतिन ने आतंकवादी हमले को ''बर्बर'' करार दिया और दोनों नेताओं ने हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ ''बिना समझौता किए लड़ाई'' की आवश्यकता पर बल दिया। इसने यह भी कहा कि राष्ट्रपति पुतिन ने इस वर्ष भारत में आयोजित होने वाले वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री का निमंत्रण स्वीकार कर लिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''मोदी के साथ बातचीत में पुतिन ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की और निर्दोष लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया।''

सैन्य समाधान नहीं है समस्या का हल : संयुक्त राष्ट्र प्रमुख

गुतारेस ने शांति के लिए दोनों देशों की सरकारों की मदद करने की पेशकश दोहराई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने सोमवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव पिछले कई वर्षों के मुकाबले इस बार उच्चतम स्तर पर है और ऐसे में दोनों पक्षों को संयम बरतना चाहिए तथा तनाव को दूर करना चाहिए।

गुतारेस ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं है कि सैन्य समाधान कोई समाधान नहीं है।'' उन्होंने कहा कि वह 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए ''भयानक'' आतंकवादी हमले के बाद की भावनाओं को समझते हैं।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने एक बार फिर उस हमले की कड़ी निंदा की तथा पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''आम लोगों को निशाना बनाना अस्वीकार्य है – और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को विश्वसनीय तथा वैध तरीकों से न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए।''

गुतारेस ने शांति के लिए दोनों देशों की सरकारों की मदद करने की पेशकश दोहराई। उन्होंने कहा, ''संयुक्त राष्ट्र किसी भी ऐसी पहल का समर्थन करने के लिए तैयार है जो तनाव कम करने, कूटनीति और शांति के लिए नई प्रतिबद्धता को बढ़ावा दे।'' उनकी यह टिप्पणी भारत-पाकिस्तान तनाव पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बंद कमरे में होने वाली बैठक से कुछ घंटे पहले आई है। इस्लामाबाद ने इस आपात बैठक की मांग की थी।

गुतारेस ने कहा, ''भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कई वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर है। मैं दोनों देशों की सरकारों और लोगों का गहरा सम्मान करता हूं तथा उनका बहुत आभारी हूं -संयुक्त राष्ट्र के कार्यों में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए भी।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए मुझे यह देखकर दुख होता है कि संबंध उबाल पर पहुंच गए हैं।''

केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि पहलगाम हमले से जम्मू-कश्मीर का विकास बाधित न हो : उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार 'शीर्ष स्तर पर' यह सुनिश्चित करना चाहती है कि पहलगाम आतंकवादी हमला जम्मू-कश्मीर में शासन और विकास की प्रक्रिया को पटरी से न उतारे।

उमर ने सिविल सचिवालय में शीर्ष अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही और साथ ही केंद्र शासित प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र पर हाल की घटनाओं के प्रतिकूल प्रभाव को स्वीकार किया।

उमर ने जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए व्यापक राष्ट्रीय समर्थन पर बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी हालिया बैठक का ब्योरा साझा किया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का शीर्ष स्तर यह सुनिश्चित करना चाहता है कि पहलगाम हमले से शासन और विकास की प्रक्रिया बाधित न हो। उन्होंने कहा, ''यह हमारी जिम्मेदारी है जिसका हमें ध्यान रखना होगा।''

मुख्यमंत्री ने सुचारू और सुरक्षित अमरनाथ यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान भी किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिक प्रशासन की अपनी जिम्मेदारियां हैं, जिन्हें ''हमें किसी भी कीमत पर पूरा करना होगा''।

बहुप्रतीक्षित रेल-टू-कश्मीर परियोजना पर उमर ने उम्मीद जताई कि इसका उद्घाटन जल्द ही होगा। रेल-टू-कश्मीर परियोजना का उद्घाटन 19 अप्रैल के लिए निर्धारित था, लेकिन खराब मौसम के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। उन्होंने कहा, ''जितनी जल्दी हम पुल और ट्रेन का उद्घाटन करेंगे, उतनी जल्दी अफवाहें खत्म होंगी और रेल से हमें फायदा होगा।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन, सार्वजनिक सेवा वितरण और इसके कामकाज में समग्र सुधार के मामले में सरकार के प्रयास अगले छह महीनों में दिखाई देने लगेंगे। उमर ने कहा कि शासन केवल सरकारी कार्यालयों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। इस समीक्षा बैठक में उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी, मंत्री सकीना इट्टू, जावेद अहमद राणा, जावेद अहमद डार और सतीश शर्मा भी शामिल हुए।

उमर ने मौजूदा चुनौतियों के बीच विकास गतिविधियां शुरू करने, बजट घोषणाओं को लागू करने और कुशल शासन सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''छह महीने बाद हम श्रीनगर सिविल सचिवालय में वापस आ गए हैं। जिस माहौल में हम उम्मीद कर रहे थे कि दफ्तर खुलेंगे और सामान्य कामकाज होगा, वैसा नहीं हुआ। यह देखा गया है कि अगर हालात अनुकूल और शांतिपूर्ण रहे तो इससे सरकार के कामकाज में सुधार होता है।'' उन्होंने कहा, ''अब हमें उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करना होगा जो हमारे नियंत्रण में हैं और आम लोगों की कठिनाइयों को कम करने के लिए काम करना होगा।''

सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ द्वारा संस्थापक अध्यक्ष आरपी भटनागर को 'लाइफटाइम अचीवमेन्ट अवार्ड'

मुम्बई। सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ(सीआरएमएस) द्वारा संघ के अध्यक्ष डॉ प्रवीण वाजपेई की अध्यक्षता में कामगार दिवस व महाराष्ट्र दिवस के उपलक्ष्य में एसएसएम शुक्ला की 105 वीं जयंती के अवसर पर सीआरएमएस के संस्थापक अध्यक्ष व एनएफआईआर राष्ट्रीय सचिव (इंटक) आरपी भटनागर को ट्रेड यूनियन में उनके विशेष अविश्वसनीय योगदान के लिए 'लाइफटाइम अचीवमेन्ट अवार्ड' से सम्मानित किया गया। अध्यक्ष प्रवीण वाजपेई, कार्यकारी अध्यक्ष वीके सावंत, महासचिव अनिल कुमार दुबे, कोषाध्यक्ष रामगोपाल निम्बालकर ने भटनागर को प्रशिस्त व अभिनंदन पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मान्यता चुनाव में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु सभी मंडल अध्यक्ष -सचिव एवं शाखाओं के अध्यक्ष-सचिव सहित सदस्यों को सम्मानित किया गया। कामगार सेना के कार्यकारी अध्यक्ष संजय जोशी, महासचिव दिवाकर देव ने भी वरिष्ठ कामगार नेता का स्वागत किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में विभिन्न संगठनों के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों के नरसंहार की निंदा की और मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

आंध्र में बारिश से प्रभावित किसानों को मुआवजा मिलेगा : एन चंद्रबाबू नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बेमौसम बारिश के कारण फसलों का नुकसान झेलने वाले किसानों के बीच छह मई तक मुआवजा वितरित करें। सचिवालय में समीक्षा बैठक के दौरान नायडू ने इस बात पर जोर दिया कि फसल क्षति का आकलन तत्काल पूरा किया जाना चाहिए और प्रत्येक प्रभावित किसान को सरकारी मुआवजा मिलना चाहिए।

एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार नायडू ने कहा, ''यह सुनिश्चित करें कि बेमौसम बारिश के कारण फसलों का नुकसान झेलने वाले किसानों के बीच कल (मंगलवार) शाम तक मुआवजा वितरित हो जाए। फसलों के नुकसान का आकलन तुरंत पूरा किया जाना चाहिए और हर प्रभावित किसान को बिना देरी के सरकारी मुआवजा मिल जाना चाहिए।'' मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आसमानी बिजली गिरने से जान गंवाने वाले आठ लोगों के परिवारों को अनुग्रह राशि जारी करने का निर्देश दिया। प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार, 2,224 हेक्टेयर में धान और मक्का की फसलें बर्बाद हो गईं। सबसे अधिक प्रभावित जिले पश्चिम गोदावरी (1,033 हेक्टेयर), नांदयाल (641 हेक्टेयर), काकीनाडा (530 हेक्टेयर) और श्री सत्यसाई (20 हेक्टेयर) हैं।

नायडू ने अधिकारियों को बिजली गिरने से हुई मवेशियों की मौत के लिए भी तुरंत मुआवजा जारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि चूंकि कई जिलों में आगे भी बारिश का पूर्वानुमान है, इसलिए जिलाधिकारियों और अन्य अधिकारियों को जनता को सचेत करना चाहिए और जानमाल के नुकसान से बचने के लिए एहतियाती कदम उठाने चाहिए। अधिकारियों से आपदा के समय मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की अपील करते हुए नायडू ने कहा कि यदि मोबाइल अलर्ट लोगों तक नहीं पहुंचता है, तो अधिकारियों को स्वयं जाना चाहिए और आस-पास के लोगों को चेतावनी देनी चाहिए।

जल सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जलसेवा : बेंगलूरु के माहेश्वरी महिला संगठन ने सोमवार को ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन के गेट के पास स्थाई पेयजल प्याऊ का शुभारंभ किया। संगठन की सदस्याओं ने मिलकर प्याऊ का उद्घाटन किया तथा राहगीरों को छाछ का भी वितरण किया।

राज्य के प्रतिनिधियों को ''चोर'' समझते हैं बैंकर: रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि राज्य की वित्तीय स्थिति ''खराब'' है और राज्य कोई नया ऋण नहीं जुटा पा रहा है क्योंकि बैंकर, सरकार पर विश्वास नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैंकर, तेलंगाना के प्रतिनिधियों को ''चोर'' समझते हैं। रेड्डी ने मीडिया में आ रही उन खबरों के बाद यह टिप्पणी की है जिनमें कहा गया था कि सरकारी कर्मचारियों का एक वर्ग राज्य सरकार पर पुरानी पेंशन योजना में संशोधन और चिकित्सकीय बिल की प्रतिपूर्ति सहित अपनी लंबित मांगों को पूरा करने के लिए दबाव डाल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, '' तेलंगाना की वित्तीय स्थिति अच्छी नहीं है। हम ऋण नहीं जुटा पा रहे हैं। कोई भी आगे आकर ऋण देने को तैयार नहीं है। बैंकर, तेलंगाना के प्रतिनिधियों को चोर की तरह समझते हैं।''

अकासा एयर ने अपने बेड़े में बोइंग 737 मैक्स-8 विमान किया शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। घरेलू विमानन कंपनी अकासा एयर ने अपने बेड़े में एक और बोइंग 737 मैक्स-8 विमान को शामिल करने की सोमवार को घोषणा की। इससे उसके बेड़े में इन विमान की संख्या बढ़कर 28 हो गई।

विमानन कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, पंजीकरण संख्या वीटी-वायबीई वाला बोइंग 737 मैक्स 8-200 विमान एक मई को आइसलैंड के रास्ते अमेरिकी विमान प्रमुख की सिएटल सुविधा से बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा।

इसमें कहा गया, अगस्त 2022 में परिचालन शुरू करने के बाद से अकासा ने विश्वसनीयता, दक्षता तथा सेवा उत्कृष्टता के साथ स्तर बढ़ाने पर केंद्रित एक अनुशासित विकास रणनीति अपनाई है। अकासा ने कहा कि यह कदम भारत तथा विश्व स्तर पर व्यापक हवाई नेटवर्क विकसित करने की विमानन कंपनी की रणनीतिक रूपरेखा के अनुरूप है।

बयान के अनुसार, तीन किस्तों में 226 विमान के ऑर्डर के तहत उसे 198 और विमान की आपूर्ति की जानी अभी बाकी है।

अदाणी समूह की कंपनियों के शेयर उछले, अदाणी टोटल 11 प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह की सूचीबद्ध सभी कंपनियों के शेयरों में सोमवार को खासी तेजी दर्ज की गई। गौतम अदाणी के प्रतिनिधियों के रिश्वतखोरी की जांच में आपराधिक आरोपों को खारिज करने की मांग को लेकर अमेरिकी प्रशासन के अधिकारियों से मुलाकात की खबरों के बाद कंपनियों के शेयरों में उछाल दर्ज किया गया।

बीएसई पर अदाणी टोटल गैस के शेयर में 11.01 प्रतिशत, अदाणी एंटरप्राइजेज में 6.96 प्रतिशत, अदाणी ग्रीन एनर्जी में 6.61 प्रतिशत, अदाणी पोर्ट्स में 6.29 प्रतिशत और अदाणी पावर में 5.96 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। एनडीटीवी के शेयरों में 4.74 प्रतिशत, अदाणी एनर्जी में 3.30 प्रतिशत, एडब्लूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड में 1.99 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स में 1.76 प्रतिशत, एसीसी में 1.04 प्रतिशत और सांघी इंडस्ट्रीज में 0.72 प्रतिशत की तेजी आई। कंपनियों के शेयर मूल्य में उछाल आने से समूह की सभी कंपनियों के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 13.33 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। कारोबार के दौरान अदाणी टोटल गैस के शेयर में 14.12 प्रतिशत और अदाणी पावर में 11.31 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई थी।

दिल्ली महिला आयोग को जल्द ही दोबारा सक्रिय किया जाएगा : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि पिछले कुछ समय से निष्क्रिय दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) को जल्द ही फिर से सक्रिय किया जाएगा। रेखा गुप्ता ने यह बात 'राष्ट्रीय महिला आपके घर जन सुनवाई' कार्यक्रम के दौरान कही।

'राष्ट्रीय महिला आपके घर जन सुनवाई' में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि संकट में फंसी महिलाएं सहायता के लिए सरकार की ओर देखती हैं और वर्तमान में लगभग 1,500 ऐसे मामले लंबित हैं। रेखा ने कहा, इसीलिए दिल्ली महिला आयोग को पुनः सक्रिय किया जाएगा और यह आयोग फिर से कार्य करना शुरू करेगा। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपने आवास पर हाल में हुई एक जन सुनवाई का उल्लेख किया, जिसमें एक अभिभावक ने शिकायत की थी कि कुछ लड़के उनकी बेटियों को लगातार परेशान कर रहे हैं, जबकि इस संबंध में पहले ही एक शिकायत दर्ज करवाई जा चुकी है। रेखा ने कहा, ऐसे लोग गलती करते रहेंगे, लेकिन यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनके खिलाफ कार्रवाई करें। महिलाओं की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उन्होंने घोषणा की कि शहर के चिन्हित अंधेरे वाले स्थलों पर 50,000 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंधेरे वाले स्थान केवल वे नहीं हैं जहां रोशनी कम है, बल्कि वे क्षेत्र भी हैं जहां नेटवर्क संपर्क कमजोर है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने दोहराया कि कामकाजी महिलाओं को मदद प्रदान की जाएगी जिसमें 500 क्रेच सुविधाएं स्थापित करना और योग्य महिलाओं को 2,500 रुपए की आर्थिक सहायता देना शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार इस दिशा में कार्य कर रही है।

रिजर्व बैंक ने 2024-25 की दूसरी छमाही में 25 टन सोना बढ़ाया

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तवर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में अपने भंडार में लगभग 25 टन सोना बढ़ाया है। इस अवधि में सोने की कीमतों में वृद्धि देखी गई थी। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। केंद्रीय बैंक के पास अब अपने भंडार में 879.59 टन सोना है, जबकि सितंबर 2024 के अंत में उसके पास 854.73 टन सोना था। वित्तवर्ष 2024-25 में, केंद्रीय बैंक ने अपने भंडार में सोने की मात्रा 57 टन और बढ़ायी, जिस अवधि के दौरान सोने की कीमतों में 30 प्रतिशत की तेजी देखी गई थी। यह पिछले सात वर्षों में सबसे बड़ी वार्षिक वृद्धि है।

केंद्रीय बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा भंडार के प्रबंधन पर अर्धवार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय रूप से संग्रहीत कीमती धातु की मात्रा मामूली रूप से बढ़कर 511.99 टन हो गई। स्थानीय तिजोरियों में रखे सोने के अलावा, 348.62 टन सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) के पास था और 18.98 टन सोना जमा के रूप में रखा गया था। यह ध्यानयोग्य है कि वित्तवर्ष 2025 की पहली छमाही में, रिजर्व बैंक ने स्थानीय तिजोरियों में बड़ी मात्रा में सोना स्थानांतरित किया था। स्थानीय तिजोरियों में संग्रहीत सोने की कुल मात्रा 30 सितंबर तक 510.46 टन थी, जो 31 मार्च, 2024 को 408 टन से अधिक है। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के समय हो रही सोने की आवाजाही को वर्ष 1991 के बाद से भारत द्वारा किए गए सोने की सबसे बड़ी आवाजाही में से एक कहा गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल विदेशी मुद्रा भंडार में सोने का हिस्सा छह महीने पहले 9.32 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2025 के अंत तक 11.70 प्रतिशत हो गया।

एप्पल इंडिया की बिक्री मार्च तिमाही में 25% बढ़ी, वीवो का दबदबा: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

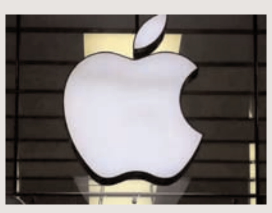

नई दिल्ली/भाषा। भारत में एप्पल के आईफोन की आपूर्ति में जनवरी-मार्च तिमाही 2025 में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान इसकी बाजार हिस्सेदारी भी बढ़कर आठ प्रतिशत हो गई।

साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन की स्मार्टफोन विनिर्माता वीवो की जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में भारत के समग्र स्मार्टफोन बाजार में सबसे अधिक 20 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। इसके साथ ही भारतीय स्मार्टफोन बाजार में इसमें अपना दबदबा कायम रखा। वहीं दक्षिण कोरिया की कंपनी सैमसंग 18 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारतीय बाजार में दूसरे और शाओमी 13 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर रही। रिपोर्ट के मुताबिक, शाओमी की हिस्सेदारी में सालाना आधार पर शीर्ष पांच में शामिल कंपनियों में से सबसे अधिक 37 प्रतिशत की गिरावट आई। यह किफायती और 'वैल्यू-फॉर-मनी' स्मार्टफोन दोनों खंडों में चुनौतियों को दर्शाती है।

ओप्पो स्मार्टफोन की बिक्री सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़ी और इसकी बाजार हिस्सेदारी 12 प्रतिशत पर पहुंच गई। वहीं मोटोरोला ने सालाना आधार पर 53 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी-मार्च तिमाही में भारत में 5जी स्मार्टफोन की आपूर्ति कुल बाजार का 86 प्रतिशत रही, जो सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। फीचरफोन खंड में चीन की कंपनी आईटेल ने 41 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बाजार का नेतृत्व किया।

पंजाब, हरियाणा में जल बंटवारे को लेकर फिर विवाद

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा और पंजाब के बीच जल बंटवारे को लेकर एक बार फिर टकराव की स्थिति बन गई है। इस बार विवाद भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) की ओर से हरियाणा के लिए 4,500 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ने के फैसले को लेकर है। पंजाब और भाजपा शासित हरियाणा के बीच रावी-ब्यास नदी के जल बंटवारे को लेकर दशकों से विवाद चल रहा है। दोनों राज्यों के बीच विवाद तब शुरू हुआ, जब 1966 में तत्कालीन संयुक्त पंजाब से हरियाणा को अलग कर दिया गया। पंजाब में मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने सोमवार को राज्य विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया और एक प्रस्ताव पेश किया।

प्रशासन को अहमदाबाद में अवैध बांग्लादेशियों के बारे में पता था : शक्तिसिंह गोहिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। कांग्रेस नेता शक्तिसिंह गोहिल ने सोमवार को दावा किया कि प्रशासन को अहमदाबाद के चंडोला तालाब क्षेत्र में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की मौजूदगी के बारे में पता था, लेकिन निहित स्वार्थ के कारण इतने वर्षों तक कार्रवाई नहीं की गई।

गोहिल ने संवाददाताओं से बात करते हुए उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, जिन्होंने तालाब के पास सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण होने दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को उन गरीब भारतीयों को वैकल्पिक आवास और सहायता उपलब्ध करानी चाहिए, जिनके घर हाल ही में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान ध्वस्त कर दिये गये।

अहमदाबाद नगर निगम और शहर की पुलिस ने चंडोला तालाब के पास बड़े पैमाने पर अतिक्रमण रोधी अभियान चलाया था, जिसमें क्षेत्र से अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लेने के बाद लगभग 2000 घरों को ढहा दिया गया था। गोहिल ने कहा कि चंडोला तालाब क्षेत्र में वर्षों से अवैध रूप से रह रहे लगभग 180 बांग्लादेशी नागरिकों को पहलगाम आतंकवादी हमले के तुरंत बाद हिरासत में लेना यह दर्शाता है कि प्रशासन को उनके बारे में अच्छी तरह पता था, लेकिन निहित स्वार्थ के कारण उसने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा, ''अहमदाबाद में इतने सारे बांग्लादेशी नागरिकों के बसने और इतने लंबे समय तक रहने के लिए कौन जिम्मेदार है? भाजपा गुजरात और केंद्र में सत्ता में है, लेकिन इतने वर्षों में इस संबंध में कभी कोई जांच नहीं की गई।'' उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर एक बड़ा सवालिया निशान है। गोहिल ने दावा किया कि चंडोला तालाब में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के पीछे कथित मुख्य षड्यंत्रकारी को भाजपा द्वारा कांग्रेस के खिलाफ काम करने के लिए संरक्षण दिया गया था। उन्होंने कहा, ''भाजपा ने अपने हित के लिए अवैध अतिक्रमण के मुख्य षड्यंत्रकर्ता को पनाह दी। मुख्य षड्यंत्रकर्ता ने कांग्रेस के खिलाफ काम करके चुनावों के दौरान भाजपा की मदद की।''

कांग्रेस नेता गोहिल ने कहा कि भाजपा को इस बात से कोई मतलब नहीं है कि चंडोला के निवासी हिंदू हैं, मुसलमान हैं या बांग्लादेशी हैं। उन्होंने कहा, राजनीतिक लाभ के लिए भाजपा आपराधिक तत्वों को पनाह देती है और यह इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।'' उन्होंने कहा कि स्थानीय कांग्रेस पार्षद ने 2021 और 2023 में अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) को पत्र लिखकर इलाके में अतिक्रमण और अवैध निर्माण करने के लिए मुख्य षड्यंत्रकर्ता और दो अन्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

गोहिल ने कहा कि कांग्रेस तालाब क्षेत्र में अतिक्रमण रोधी अभियान से प्रभावित गरीबों के साथ खड़ी है और अगर वे इसके लिए आगे आते हैं, तो उनकी कानूनी लड़ाई में समर्थन देगी।

टैरिफ को लेकर तत्काल बातचीत शुरू हो, भारत बेहतर समझौता करने में सक्षम: राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुल्क (टैरिफ) में बदलाव की घोषणा किए जाने के बाद अब भारत सरकार को अमेरिका के साथ तत्काल बातचीत करनी चाहिए क्योंकि भारत एक बेहतर समझौता करने की क्षमता रखता है।

राहुल गांधी ने यह टिप्पणी बीते 21 अप्रैल को अमेरिका में ब्राउन विवि के 'वॉटसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स' में एक संवाद सत्र के दौरान की थी। बातचीत का वीडियो 'वॉटसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स' के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने वीडियो कुछ अंश साझा करते हुए पोस्ट में कहा, ''भारत के पास कौशल है। अब हमें एक स्पष्ट दृष्टिकोण की आवश्यकता है...अपनी क्षमता के साथ तय दिशा की ओर बढ़ने का समय है।'' उन्होंने संवाद सत्र के दौरान कहा कि आज भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्पादन प्रणाली विकसित करना, विनिर्माण और नौकरियों का सृजन करना है। उनका कहना था, ''उदारीकृत आर्थिक प्रणाली के बिना भारत ऐसा करने में सक्षम नहीं होगा। जो कोई भी सामाजिक प्रगति और जाति संरचनाओं को कमजोर करने की बात करता है, उसे यह भी स्वीकार करना होगा कि ऐसा करने के लिए धन की आवश्यकता है। आप उत्पादन प्रणाली और खुली उदारीकृत अर्थव्यवस्था में ही पैसा अर्जित कर सकते हैं।''

सोमवार को सिरसी स्थित वन महाविद्यालय में गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी माताओं की स्मृति में अशोक के वृक्ष लगाए। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपनी दिवंगत मां केसरी देवी की स्मृति में एक पौधा लगाया। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने अपनी माता स्वर्गीय सुमनबाई की स्मृति में एक वृक्ष लगाया। इसके अतिरिक्त, उपराष्ट्रपति की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ ने अपनी मां स्वर्गीय भगवती देवी की स्मृति में एक वृक्ष लगाया।

जलवायु परिवर्तन वैश्विक खतरा, वन देश के फेफड़े : उपराष्ट्रपति धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिरसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को चेतावनी दी कि जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक खतरा और गंभीर संकट है, जिसके परिणाम अनिश्चित हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश के 'फेफड़े' कहलाने वाले वनों का अच्छी स्थिति में होना लोगों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। धनखड़ ने इस बात को रेखांकित किया कि जब किसी देश के वन अच्छी स्थिति में होते हैं, तो वहां के लोगों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है, क्योंकि वन देश के फेफड़े हैं।

उन्होंने कहा, कृषि हमारी जीवन रेखा है, लेकिन वन भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं–वे जलवायु को नियंत्रित करते हैं, आपदाओं को रोकते हैं और विशेष रूप से गरीबों एवं हाशिये पर पड़े लोगों की आजीविका का जरिया बनते हैं। राष्ट्र निर्माण में वानिकी की 'भूमिका' पर एक विशेष कार्यक्रम के दौरान वानिकी महाविद्यालय के संकाय सदस्यों और छात्रों से बातचीत में धनखड़ ने सभी से वनों की रक्षा करने और हर संभव तरीके से योगदान देने का संकल्प लेने का आग्रह किया।

उन्होंने आगाह किया, जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक चुनौती है। स्थिति चिंताजनक रूप से खतरनाक है और हमारे पास धरती माता के अलावा (रहने योग्य) कोई अन्य ग्रह नहीं है। भारत के सभ्यतागत मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, यह भूमि आध्यात्मिकता और स्थिरता का संगम है। स्थिरता केवल अर्थव्यवस्था के लिए ही आवश्यक नहीं है, यह स्वस्थ जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण है। हमारी वैदिक संस्कृति ने हजारों वर्षों से इसे बढ़ावा दिया है और आज सतत विकास के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के खिलाफ चेतावनी दी और सोच-समझकर उपभोग करने का आह्वान किया। धनखड़ ने कहा, हमें खुद को केवल उन्हीं चीजों तक सीमित रखना चाहिए, जो वास्तव में आवश्यक हैं और अपने कदमों के प्रभाव के बारे में जागरूक रहना चाहिए।

गहन पारिस्थितिक चेतना का आह्वान करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, हमें आत्म-बोध की भावना विकसित करनी चाहिए कि हम पृथ्वी, वनों, पारिस्थितिकी तंत्र, वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के संरक्षक हैं, न कि केवल उपभोक्ता। इन चीजों की उपलब्धता भावी पीढ़ियों के लिए छोड़ना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पर्यावरण का क्षरण केवल मानवता को ही नहीं, बल्कि समस्त जीवन को प्रभावित करता है।

धनखड़ ने कहा, आज, हम अपने पर्यावरण की रक्षा एवं संरक्षण करने और इस बढ़ते संकट का समाधान ढूंढने की अग्निपरीक्षा का सामना कर रहे हैं। टिकाऊ भविष्य के निर्माण में शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, कोई भी संस्थान अलग-थलग होकर काम नहीं कर सकता। इससे पहले, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, पर्यावरण और वन शिक्षा को अलग-अलग पढ़ाया जाता था। आज सीखने के लिए हमें अंत:विषयक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

केएफसीसी ने गायक सोनू निगम के खिलाफ शुरू किया 'असहयोग' अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स' (केएफसीसी) ने बेंगलुरू में हाल ही में एक संगीत कार्यक्रम के दौरान कन्नड़ समुदाय के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी करने के आरोप में बॉलीवुड के गायक सोनू निगम के विरोध में 'असहयोग' अभियान की सोमवार को घोषणा की। कर्नाटक रक्षण वेदिके के नारायण गौड़ा गुट ने निगम की टिप्पणी के खिलाफ शहर में प्रदर्शन किया। बेंगलूरु में 25 अप्रैल को एक कॉलेज में कार्यक्रम के दौरान एक दर्शक द्वारा कन्नड़ में गाना गाने की मांग करने पर सोनू निगम ने कहा था,''कन्नड़..कन्नड़ पहलगाम में हुई घटना के पीछे यही वजह है।'' कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी जिसमें कर्नाटक के दो लोग भी शामिल थे। कन्नड़ लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में गायक के खिलाफ तीन मई को अवलहल्ली पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

केएफसीसी के अध्यक्ष एम. नरसिम्हुलु ने संवाददाताओं से कहा कि गायक के साथ असहयोग तब तक जारी रहेगा जब तक वह कर्नाटक के लोगों से बिना शर्त माफी नहीं मांग लेते। नरसिम्हुलु ने कहा, ''कर्नाटक भर में सोनू निगम के साथ असहयोग किया जाएगा। यह बिलकुल प्रतिबंध जैसा है। उन्हें कर्नाटक की जनता से माफ़ी मांगनी चाहिए।'' यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने यह फैसला लेने से पहले निगम से बातचीत करने की कोशिश की थी तो उन्होंने (नरसिम्हुलु) कहा कि उन्होंने उनसे (निगम) संपर्क करने का प्रयास किया था, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली क्योंकि गायक का फोन बंद था।

कर्नाटक फिल्म संगीतकार संघ के महासचिव धर्म विश ने कहा, ''सोनू निगम भारत और कन्नड़ की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं में से एक हैं। विवाद उनकी प्रतिभा को लेकर नहीं है, बल्कि उन्होंने जो कहा, उससे है। कन्नड़ लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। किसी राज्य के व्यक्ति या लोगों की तुलना आतंकवादियों से करना बेहद खराब है।''

कर्नाटक रक्षण वेदिके के संयोजक टी. ए. नारायण गौड़ा के नारायण गौड़ा गुट ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि ''निगम ने कार्यक्रम के दौरान पागलपन दिखाया।'' उन्होंने कहा, ''उन्होंने कन्नड़ फिल्मों में सैकड़ों गाने गाए हैं, इसलिए उनके प्रशंसकों ने उनसे सिर्फ कन्नड़ में एक गाना गाने के लिए कहा था। वह या तो गा सकते थे, मना कर सकते थे या चुप रह सकते थे। उन पर कोई दबाव नहीं था। प्रशंसकों के अनुरोध को पहलगाम आतंकी हमले से जोड़ना पूरी तरह से अनुचित था।''

बेंगलूरु ग्रामीण जिले के पुलिस अधीक्षक सी. के. बाबा ने कहा कि पुलिस इस मामले की जांच तेज करेगी। उन्होंने बताया कि गायक को पहले ही नोटिस जारी कर दिया गया है और उन्हें अगले सप्ताह जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

सोमवार को विधान सौधा में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या द्वारा अनुसूचित समुदायों के लिए आंतरिक आरक्षण पर सर्वेक्षण के संबंध में आयोजित मीडिया सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मंत्री मुनियप्पा, महादेवप्पा, शिवराज थंगडगी और मुख्य सचिव डॉ शालिनी रजनीश आदि उपस्थित थे।

कर्नाटक सरकार ने आंकड़े जुटाने के लिए अनुसूचित जातियों की गिनती शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को कहा है कि राज्य में अनुसूचित जाति उप-वर्गीकरण पर सर्वेक्षण शुरू हो गया है और यह 17 मई तक चलेगा। यह कवायद सोमवार को शुरू हुई। मुख्यमंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, राज्य में अनुसूचित जातियों की गणना चल रही है। उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एच.एन. नागमोहन दास के नेतृत्व में एक-सदस्यीय आयोग का गठन किया गया है।

उन्हें अनुसूचित जातियों की सूची में उप-कोटा पर स्पष्ट रिपोर्ट देने का काम सौंपा गया है।उनके अनुसार, आयोग को 60 दिन में अपनी रिपोर्ट देनी है। इस कवायद पर 100 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और 65,000 शिक्षकों को गणना कर्मी के रूप में शामिल किया जाएगा।

सिद्दरामय्या ने कहा कि इस कवायद का उद्देश्य अनुसूचित जाति सूची में 101 जातियों पर अनुभवजन्य आंकड़ा तैयार करना है। इस प्रक्रिया का दूसरा चरण 19 से 21 मई के बीच आयोजित किया जाएगा और इस चरण के तहत पहले चरण में छूट गए लोगों के लाभ के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे।

सिद्दरामय्या ने बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण के लिए तीसरा चरण भी 19 मई से शुरू होगा और यह 23 मई तक चलेगा। उन्होंने कहा कि जो लोग अपने शहरों से बाहर रह रहे हैं, वे इसका लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब राज्य एवं अन्य बनाम देवेन्द्र सिंह एवं अन्य मामले में 1 अगस्त, 2024 को दिए गए उच्चतम न्यायालय के फैसले में अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, उच्चतम न्यायालय के आदेश के आधार पर हमने न्यायमूर्ति नागमोहन दास आयोग का गठन किया है। उन्होंने बताया कि आयोग स्पष्ट सिफारिशें देगा और अनुभवजन्य आंकड़े तैयार करेगा।

सिद्दरामय्या ने कहा कि इस उद्देश्य के लिए एक मोबाइल एप्लीकेशन भी विकसित किया गया है और एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है। उन्होंने राज्य के अनुसूचित जाति समुदाय के लोगों से आगे आकर इस अभियान को सफल बनाने की अपील की।

सोमवार को बेंगलूरु में कर्नाटक विधानसौधा में उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और भारी उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल ने बेंगलूरु में मेट्रो, सुरंग, सड़क परिवहन और अन्य सार्वजनिक उपयोगिता परियोजनाओं के विस्तार के संबंध में एक बैठक में चर्चा की। इस मौके पर बृहद बेंगलूरु महानगर पालिका के प्रशासक तुषार गिरिनाथ, मुख्य आयुक्त महेश्वर राव, बेंगलूरु विकास प्राधिकरण के आयुक्त जयराम, उपमुख्यमंत्री के सचिव राजेंद्र चोलन और अन्य उपस्थित थे।

राज्य सरकार अलमट्टी बांध की ऊंचाई 524 मीटर तक बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को अलमट्टी बांध की ऊंचाई 524 मीटर तक बढ़ाने और राज्य के हिस्से के पानी का पूरा उपयोग करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

विधानसभा में पत्रकारों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री, जो सिंचाई मंत्री भी हैं, ने कहा, केंद्र को 2010 के न्यायाधिकरण के आदेश के अनुसार एक राजपत्र अधिसूचना जारी करनी है। केंद्र ने 7 मई को एक बैठक बुलाई है। इस पृष्ठभूमि में, हमने संबंधित मंत्रियों की राय लेने के लिए एक बैठक की है। हमने कानूनी सलाहकारों के साथ भी चर्चा की है और वे एक-दो दिनों में अपनी राय देंगे। हम इन सभी इनपुट के आधार पर अपना मामला पेश करेंगे। राज्य सरकार ने इसके लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी है और हम इसके लिए धनराशि अलग रखेंगे।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को करीब 13 टीएमसी पानी मिलने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उन्हें फायदा होता है या नहीं, हमें इसकी ऊंचाई 524 मीटर तक बढ़ानी होगी ताकि हमारे किसानों को फायदा हो। इसके लिए जो भी करना होगा हम करेंगे।

टनल रोड

हेब्बाल फ्लाईओवर के पास टनल रोड और भूमि अधिग्रहण के बारे में बैठक के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हेब्बाल एक महत्वपूर्ण जंक्शन है और यहां मेट्रो और सुरंग की जरूरत है। हम इस परियोजना के लिए जितनी जमीन की जरूरत होगी, हम लेंगे। हमने परियोजना के लिए आवश्यक नागरिक भूमि और सैन्य भूमि की मात्रा पर भी चर्चा की है। हम टीडीआर और एफएआर के माध्यम से भूमि मालिकों को मुआवजा देंगे। हमें टनल रोड के लिए निविदाएं आमंत्रित करनी हैं और यह इसके लिए एक तैयारी बैठक थी।

आंतरिक आरक्षण

आंतरिक आरक्षण पर सर्वेक्षण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मंत्रिमंडल ने आंतरिक आरक्षण पर सर्वेक्षण करने का फैसला किया है। एक समिति बनाई गई है और यह सर्वेक्षण के लिए आवश्यक सभी तैयारियों का ध्यान रखेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या आंतरिक आरक्षण को लेकर कोई भ्रम है, उन्होंने कहा, इस पर सुप्रीम कोर्ट पहले ही आदेश पारित कर चुका है। हमारी पार्टी ने अपने घोषणापत्र में इसका वादा किया है। कुछ समुदायों ने उचित जानकारी नहीं दी है और यह उन्हें सही जानकारी देने का एक और मौका देने का प्रयास है।

आईसीटीएस में तकनीकी सेमिनार का आयोजन

बेंगलूरु। यहां 2 मई को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-4), बेंगलूरु के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय सैध्दांतिक विज्ञान केन्द्र (आईसीटीएस), हेसरघट्टा में एक दिवसीय तकनीकी सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का प्रारंभ अंतर्राष्ट्रीय सैध्दांतिक विज्ञान केन्द्र के निदेशक राजेश गोपाकुमार ने अपने स्वागत भाषण के साथ की। स्वागत भाषण के दौरान उन्होंने आईसीटीएस की गतिविधियों के बारे में भी परिचित कराया।

नराकास (का-4), बेंगलूरु के सदस्य सचिव राजभवन ने अपने संबोधन में कहा कि कोई भी कार्य सरलता और सुगमता से किया जा सकता है। यह सेमिनार इसी का उदाहरण है जिसमें सभी व्याख्यान सरल हिंदी भाषा में होंगें और जो सभी को समझ भी आएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी भारतीय नागरिकों को हिंदी भाषा के साथ-साथ अन्य भाषाएं भी सीखनी चाहिए।नराकास (का-4), बेंगलूरु के अध्यक्ष एवं सीएमटीआई के निदेशक डॉ. नागहनुमय्या ने अपने संबोधन में कहा कि सभी को हिंदी भाषा सीखनी चाहिए और तकनीकी क्षेत्रों में भी हिंदी का प्रयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ क्षेत्रों में कार्य करने के लिए सीएमटीआई, आईसीटीएस के साथ सहयोग स्थापित करेगी।

क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय के उपनिदेशक राजभाषा विभाग अनिर्बान कुमार विश्वास ने अपने संबोधन में कहा कि भारत सरकार राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में नई दिल्ली और हैदराबाद में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सभी को आमंत्रित किया। प्रोफेसर स्थितथि रॉय, प्रो. रामा जी, प्रो. जयकुमार राधाकृष्णन, प्रो. दीपक धर प्रो. अक्षित गोयल और डॉ. मंजू ढौंडियाल, उप-निदेशक, निपसिड(सेवानिवृत) ने विभिन्न विषयों पर अपनी प्रस्तुतियों प्रस्तुत की।

जिरेह कार्डियोडिजी सॉल्यूशंस ने लॉंच किया 'हृदल' मोबाइल एप्प

बेंगलूरु। देश की अग्रणी हेल्थकेयर सॉल्यूशंस फर्म जिरेह कार्डियोडिजी द्वारा बेहतर आपातकालीन पहुंच, निदान और निवारक देखभाल के लिए रुग्णता और मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से 'हृदल' मोबाइल ऐप लॉंच किया। मैसूरु की कम्पनी कार्डियोडिजी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा डिजिटल नवाचार को ऑनग्राउंड समर्थन के साथ जोड़कर भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में महत्वपूर्ण अंतराल को मिटाने की जरूरत को ध्यान में रखते हुए इस नए एप्प को लॉंच किया है।

जिरेह कार्डियोडिजी सॉल्यूशंस के प्रबंध निदेशक और सीईओ डॉ डेविड जे. चेली ने कहा कि ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह की मौजूदगी के साथ कम्पनी यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हैं कि स्वास्थ्य सेवा संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए और वे हर किसी के लिए हर जगह सुलभ हों सके। हमारा मिशन तकनीक और नवाचार के माध्यम से निदान की लागत को काफी कम करना है। चेली ने कहा, हमारा प्रमुख डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, 'हृदल' स्वास्थ्य सेवा को अधिक सुलभ, किफ़ायती और समय पर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

कर्नाटक अपराधियों का गढ़ बनता जा रहा है : शोभा करंदलाजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने आपत्ति जताते हुए कहा कि कर्नाटक एक आपराधिक राज्य बनता जा रहा है। सोमवार को मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा, पहले हम लोग दक्षिण में बैठकर बिहार में हर दिन हो रहे अपराधों पर बात करते थे। अब बिहार में शांति है, उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि कर्नाटक में हर दिन हत्याएं हो रही हैं, एक, दो, तीन, चार। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कर्नाटक में सरकार है या नहीं इस बारे में संदेह सिर्फ हमारे राज्य के लोगों कोही नहीं है बल्कि देश के अन्य राज्यों में हमसे पूछा जाता है कि 'आपके राज्य का क्या हुआ?' उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि जब भी सिद्दरामय्या की सरकार सत्ता में आएगी, कर्नाटक राज्य में अपराधियों का शासन होगा। वर्ष 2013 में सिद्दरामय्या की सरकार थी। उस समय भी अपराधियों का बोलबाला था। उन्होंने आरोप लगाया कि आतंकवादियों, असामाजिक तत्वों और रुद्रेश की हत्या सहित विभिन्न मामलों में गिरफ्तार लोगों के मामले वापस ले लिए गए, जो पीएफआई और केएफडी जैसे विभिन्न संगठनों के साथ काम कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कल हुब्बल्ली में एक पुलिस स्टेशन को जलाने की घटना हुई। कुछ लोगों ने मैसूरु के एक पुलिस स्टेशन में घुसपैठ की। उन्होंने पुलिस को पीटा। सिद्दरामय्या ने कैबिनेट बैठक में 43 ऐसे मामलों को वापस लेने का प्रस्ताव रखा। सिद्दरामय्या ने राज्य में असामाजिक तत्वों और आतंकवादियों को सड़कों पर छोड़ने का काम किया है। जिन लोगों को जेल में होना चाहिए था, उन्हें सड़कों पर छोड़ दिया गया। उन्होंने अपराध को बढ़ावा देने के लिए भी उनकी आलोचना की। परिणामस्वरूप, हमने उनकी पिछली सरकार में 23 हिंदू युवाओं और कार्यकर्ताओं को खो दिया। एनआईए ने अमित शाह को पत्र लिखा, जिसके बाद रुद्रेश मामले और प्रवीण नेट्टारू मामले की जांच शुरू हुई। उन्होंने बताया कि एनआईए जांच के माध्यम से राज्य में उन लोगों को पकड़ा गया है जिन्होंने विभिन्न देशों से संपर्क बनाए रखा था, विभिन्न देशों में प्रशिक्षण प्राप्त किया था तथा विभिन्न राज्यों में हत्याएं की थीं और फरार हो गए थे।

राज्य के मेंगलूरु, मैसूरु, पुत्तूर और सुल्लिया जैसे क्षेत्रों में आतंकवादियों और असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और वित्तीय सहायता प्रदान करने वालों को पकड़ा गया। वे अब जेल में हैं. परिणामस्वरूप, केन्द्र सरकार को एक मजबूत आधार प्राप्त हुआ है। हमने पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया था। प्रवीण नेट्टारू मामले में पीएफआई की संलिप्तता उजागर हुई थी। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप केंद्र सरकार ने पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया। पीएफआई कार्यकर्ता कहां गए? वे अभी भी कार्यरत हैं। वे सभी राजनीतिक संगठन एसडीपीआई में शामिल हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सिद्दरामय्या की मिलीभगत के कारण ही वहां के सभी अपराधी फिर से हत्या में शामिल हो रहे हैं, क्योंकि सिद्दरामय्या ने मामला वापस ले लिया है।

स्टार्टअप जॉब मार्केट में एक नया आत्मविश्वास

भर्ती को लेकर सालाना आधार पर 32 प्रतिशत का जबरदस्त उछाल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में भर्ती को लेकर सालाना आधार पर 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह सस्टेनेबल और इनोवेशन आधारित स्केलिंग की ओर एक रणनीतिक मोड़ का संकेत है। सोमवार को आई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। जॉब्स प्लेटफॉर्म फाउंड-इट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का व्हाइट-कॉलर जॉब मार्केट मजबूत बना हुआ है, जिसमें सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। स्टार्टअप जॉब पोस्टिंग में इस साल अप्रैल में सालाना आधार पर 32 प्रतिशत और पिछले तीन महीनों में 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले एक साल में नए स्टार्टअप रजिस्ट्रेशन में 22 प्रतिशत की वृद्धि से भर्ती की यह गति और अधिक मजबूत हुई है।

फाउंड-इट के सीईओ वी. सुरेश ने कहा, भारत में स्टार्टअप के विस्तार के तरीके में एक बड़ा बदलाव आया है। विकास अब केवल प्रमुख महानगरीय क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। इसके बजाय, हम टियर-2 शहरों में भी मजबूत विस्तार देख रहे हैं, जो विकास के अधिक संतुलित और समावेशी मॉडल का संकेत देता है। साथ ही, अनुभवी पेशेवरों की भर्ती पर जोर बढ़ रहा है, जो दीर्घकालिक स्थिरता पर रणनीतिक ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है। स्टार्टअप हायरिंग में आईटी सर्विस सबसे आगे है, जो सभी स्टार्टअप जॉब पोस्टिंग का 32 प्रतिशत है, जो कि पिछले साल 2024 में 23 प्रतिशत था। हेल्थकेयर में स्टार्टअप हायरिंग 6 प्रतिशत से बढ़कर 9 प्रतिशत हो गया है, जो डीप टेक और स्वास्थ्य-केंद्रित समाधानों पर बढ़ते फोकस का संकेत देता है। इसके विपरीत, मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और एजुकेशन/ई-लर्निंग जैसे सेक्टर में स्टार्टअप हायरिंग को लेकर गिरावट दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, टियर-2 शहर तेजी से प्रमुख स्टार्टअप हब के रूप में उभर रहे हैं, जहां अप्रैल 2024 में उनकी नौकरी की हिस्सेदारी 9 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल 2025 में 31 प्रतिशत हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह तीन गुना वृद्धि भारत के स्टार्टअप सेक्टर में एक बड़े बदलाव का संकेत देती है, जिसे कोयंबटूर, जयपुर, इंदौर, लखनऊ और भुवनेश्वर लीड कर रहे हैं।

भजनलाल ने जनसुवाई में किया समस्याओं के समाधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को यहां जनसुनवाई कर आमजन की समस्या को सुना और अधिकारियों को इनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई में कहा कि राज्य सरकार अपनी जवाबदेहिता सुनिश्चित करते हुए आमजन की परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में आए प्रत्येक फरियादी को उसकी समस्या के निस्तारण के लिए चल रही प्रक्रिया के बारे में नियमित रूप से अवगत कराया जाए। जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हो तथा आमजन को राहत मिले। मुख्यमंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, राजस्व, मनरेगा, ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण कर आमजन को राहत दी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन मौजूद थे। जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री ने ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित रमनलाल की समस्या का मौके पर ही समाधान किया।

पीड़ित रमनलाल ने इलाज में आ रही समस्याओं के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल प्रशासन द्वारा इनका शीघ्र इलाज सुनिश्चित किया जाए। अपनी समस्या के त्वरित निस्तारण से रमनलाल ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया।

गहलोत ने भाजपा विधायकों के प्रशिक्षण पर उठाया सवाल, मुख्यमंत्री का पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और विधानसभा में नेता प्रतपिक्ष टीकाराम जूली ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए सत्तारूढ़ दल के सांसदों व विधायकों को देरी से प्रशिक्षण देने का आरोप लगाया। गहलोत ने कहा, सरकार बने डेढ़ वर्ष हो जाने के बाद प्रशिक्षण दिया जा रहा है। क्या भाजपा आलाकमान को लगता है कि डेढ़ वर्ष में राजस्थान की सरकार विफल हो चुकी है इसलिए प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है? वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गहलोत की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए गुजरात में कहा, पूर्व मुख्यमंत्री (गहलोत) अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं।

भाजपा ने राजस्थान में पार्टी सांसदों और विधायकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पांच से सात मई तक गुजरात के केवड़िया में आयोजित किया है। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने आरोप लगाया कि भाजपा ने उनकी (तत्कालीन) सरकार को गिराने की साजिश रची थी और तब पार्टी के विधायकों को एकजुट रखने के लिए कुछ दिनों के लिए होटल में रहना पड़ा ताकि भाजपा का कोई प्रलोभन काम न करे।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, अंतत: भाजपा के धनबल की हार हुई और सत्य की विजय हुई तथा हमारी सरकार चलती रही। लेकिन यह बेहद ही आश्चर्यजनक है कि आज (सोमवार) से अगले कुछ दिनों तक राजस्थान के मुख्यमंत्री सहित पूरी सरकार और भाजपा विधायक दल समेत गुजरात में आलीशान 'टैंटनुमा रिजॉर्ट' में प्रशिक्षण लेने के लिए जा रहा है। गहलोत ने सवाल किया कि इस प्रशिक्षण में ऐसा क्या होगा जो राजस्थान में नहीं किया जा सकता? उन्होंने कहा, जब हमारी (कांग्रेस की) सरकार के दौरान अंतरराष्ट्रीय आयोजन जी-20 की बैठक जयपुर, उदयपुर आदि शहरों में हुई थीं तो भाजपा के मुख्यमंत्री और विधायकों का प्रशिक्षण राजस्थान के बाहर करवाने की नौबत क्यों आई?

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, जब राज्य की जनता बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था, गर्मी में पानी व बिजली की कमी, चिकित्सा सुविधाओं के बंटाधार से त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रही है तब भाजपा की पूरी सरकार मौज-मस्ती के लिए गुजरात में है। राजस्थान की जनता इसे याद रखेगी। वहीं जूली ने भी सवाल उठाया कि क्या डेढ़ वर्ष से राजस्थान में अप्रशिक्षित सरकार चल रही है। उन्होंने कहा, यह कैसी विडंबना है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री, उनके मंत्रिमंडल और भाजपा के पूरे विधायक दल को गुजरात बुलाकर उन्हें शासन चलाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यानी डेढ़ वर्ष तक अप्रशिक्षित सरकार राजस्थान को चला रही थी।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा, अभी तक यह सुनने में आ रहा था कि अप्रत्यक्ष रूप से गुजरात से राजस्थान की सरकार चलाई जा रही है। अब प्रत्यक्ष रूप से ऐसा किया जा रहा है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, खैर, जब सरकार और उसके पूरे विधायक दल को गर्मी में बिजली, पानी और चिकित्सा सुविधाओं के इंतजाम में लगना चाहिए था तब वो नर्मदा नदी के किनारे टैंटनुमा घरों में मौज-मस्ती कर रहे हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने गहलोत के सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए गुजरात के वडोदरा में एक कार्यक्रम में कहा कि गहलोत अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं।

उन्होंने कहा, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि आप अपनी इस मानसिकता को ठीक करिए। आप अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। आपको अच्छे विचार लेने चाहिए। अगर आप अच्छे विचार लेते तो आज आपकी ऐसी दुर्गति नहीं होती। आप (कांग्रेस) जो पूरे देश में थे, आज एक से दो राज्यों तक सिमट कर रह गए हैं। शर्मा ने कहा कि भाजपा विधायक 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की दिशा में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

'बीकानेर की साहित्यिक परंपरा समृद्ध, युवा इसे बढ़ा रहे है आगे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। पोकरमल राजरानी गोयल चेरिटेबल ट्रस्ट और मुक्ति संस्था द्वारा सोमवार को होटल राजमहल में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में युवा साहित्यकार डॉ. हरि शंकर आचार्य का विशेष सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में साहित्य और लेखन के क्षेत्र में उनके योगदान को सराहा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पोकरमल राजरानी गोयल चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. नरेश गोयल ने कहा कि बीकानेर की समृद्ध साहित्यिक परंपरा हमेशा से प्रेरणास्त्रोत रही है। यहां के लेखकों ने न केवल प्रदेश में, बल्कि देशभर में बीकानेर का नाम रोशन किया है। आज, युवा पीढ़ी इस परंपरा को आगे बढ़ा रही है, और यह बहुत अच्छे संकेत हैं। सोशल मीडिया के इस युग में, साहित्य की प्रासंगिकता और भी बढ़ी है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र जोशी ने डॉ. हरि शंकर आचार्य के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आचार्य जी ने राजस्थानी और हिंदी गीत एवं कविता लेखन को नए आयाम दिए हैं।

उनकी लेखन शैली में प्रयोगधर्मिता और लोक परंपराओं का समावेश उन्हें अन्य लेखकों से अलग पहचान दिलाता है। इस अवसर पर डॉ. हरि शंकर आचार्य ने कहा कि आजकल पुस्तकें पढ़ने वालों की संख्या घटती जा रही है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि किताबें हमारी सबसे अच्छी मित्र होती हैं, और उनका स्थान कोई और नहीं ले सकता। उन्होंने इस सम्मान को अविस्मरणीय बताते हुए दोनों संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में पोकरमल राजरानी गोयल चेरिटेबल ट्रस्ट के राजेश गोयल ने स्वागत उद्बोधन दिया और परवेश गोयल ने आभार व्यक्त किया। लोकेश चूरा ने डॉ. आचार्य के लिखे गीत आओ गाथा आज सुणाऊं, थांने स्हैर बीकाणै री की प्रस्तुति दी, जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम का संचालन संजय कोचर ने किया।

इस हफ्ते आंधी-बारिश की गतिविधि जारी रहने का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान के कई हिस्सों में आंधी व बारिश की गतिविधियां इस सप्ताह जारी रहने का अनुमान है। मौसम केंद्र जयपुर ने सोमवार को यह जानकारी दी। मौसम केंद्र के अनुसार, अगले चार से पांच दिन राज्य के दक्षिणी व पूर्वी भाग में तेज मेघ गर्जन, आंधी-बारिश की गतिविधियां जारी रहने की प्रबल संभावना है। इस दौरान लोगों को लू से राहत मिलेगी। इसके अनुसार आज भी पश्चिमी विक्षोभ एक परिसंचरण तंत्र के रूप में उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के ऊपर बना हुआ है। वायुमंडल के निचले स्तरों में आज एक परिसंचरण तंत्र उत्तर पूर्वी राजस्थान व दूसरा दक्षिण पश्चिम राजस्थान के ऊपर बना हुआ है।

इसके प्रभाव से आज भी राज्य के जोधपुर, उदयपुर, कोटा, बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर संभाग के कुछ भाग में तेज मेघ गर्जन होने, 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे के रफ्तार से आंधी चलने तथा मध्यम से तेज बारिश दर्ज होने की प्रबल संभावना है। दक्षिणी राजस्थान में आज कहीं-कहीं भारी बारिश होने की भी संभावना है।

अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही राज्य सरकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विश्वभर में राजस्थान के प्रवासी प्रदेश का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। प्रवासी राजस्थानी अपनी कर्मभूमि के साथ-साथ मातृभूमि से भी जुड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे राजस्थान के प्रवासी विश्वभर में चिकित्सा, शिक्षा, पेयजल सहित विभिन्न सामाजिक सरोकार से जुड़े हुए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से आह्वान किया कि 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प को पूरा करने में अपना अहम योगदान दें।

शर्मा सोमवार को गुजरात के वडोदरा में राजस्थानी समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान शक्ति और भक्ति की धरती है। इस भूमि पर महाराणा प्रताप, महाराजा सूरजमल, त्याग और तप की पर्याय पन्नाधाय, भक्ति की मूर्ति मीराबाई और पर्यावरण संरक्षिका मां अमृता देवी जैसी महान विभूतियों ने जन्म लिया, इन सभी के महान कार्यों से आज तक हम सभी प्रेरणा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार के 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान के तहत भामाशाहों और प्रवासी भाई-बहनों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इसके तहत राज्य में लगभग 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान वर्षा जल की एक-एक बूंद को सहेजकर जल उपलब्धता बढ़ाने तथा भूजल स्तर को बढ़ाने में भी मददगार बनेगा।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश की पानी की जरूरत को प्राथमिकता देते हुए रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना सहित अन्य जल परियोजनाओं को पूरा किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि गुजरात तथा राजस्थान दोनों राज्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। गुजरात की धरती पर महात्मा गांधी तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे महापुरुष पैदा हुए, जिन्होंने देश की एकता और अखण्डता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए पिछले साल दिसंबर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया। इस समिट में लगभग 37 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन को आधार मानकर राज्य सरकार गरीब, युवा, महिला और किसानों का कल्याण सुनिश्चित कर रही है।

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में पेपरलीक की घटनाओं के कारण युवाओं के साथ विश्वासघात हुआ। हमारी सरकार भर्ती परीक्षाओं का आयोजन पूर्ण पारदर्शिता के साथ करवाने के साथ ही युवाओं को समय पर रोजगार उपलब्ध करवा रही है।

हम 5 वर्ष में युवाओं को 4 लाख सरकारी नौकरी देने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं तथा हमारी सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के लक्ष्य के साथ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही है तथा हम संकल्प पत्र के प्रत्येक वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। समारोह के दौरान जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी उपस्थित रहे।

एसआई भर्ती पर हाईकोर्ट की सरकार को दो टूक, कहा-जल्दी फैसला करो, नहीं तो फिर हम करेंगे

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में आज एसआई भर्ती परीक्षा 2021 को लेकर सुनवाई हुई। इसमें कोर्ट ने इस बात पर नाराजगी जताई कि सरकार दो महीने बाद भी इस मामले में कोई फैसला नहीं ले पाई है। सरकार की तरफ से मामले में पेश हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने हाईकोर्ट को बताया कि अभी सरकार इस मामले में किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। उन्होंने बताया कि भर्ती परीक्षा को लेकर गठित कैबिनेट सब कमेटी की बैठक 13 मई को प्रस्तावित है। इसलिए सरकार को जवाब पेश करने के लिए थोड़ा समय दिया जाए। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि कोर्ट सरकार को अंतिम मौका दे रही है। सरकार 15 मई तक हमें अपने फैसले से अवगत करवाए अन्यथा कोर्ट मामले में सुनवाई के बाद अपना फैसला देगी। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने 21 फरवरी को सरकार को एसआई भर्ती को लेकर फैसला लेने के लिए 2 महीने का समय दिया था। इस मामले में कोर्ट में याचिकाकर्ताओं के अलावा सरकार और ट्रेनी एसआई पक्षकार हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि भर्ती परीक्षा निरस्त की जाए, क्योंकि एसओजी, पुलिस मुख्यालय, एजी और कैबिनेट सब कमेटी भर्ती परीक्षा रद्द करने की सिफारिश कर चुकी है।

पहलगाम आतंकी हमले का दृढ़ता से मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिए : सचिन पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सोमवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के मामले में केंद्र सरकार को दृढ़ता से मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। पायलट ने कहा कि इस मामले में कांग्रेस पार्टी व समूचे विपक्ष ने केंद्र सरकार का समर्थन किया है। पायलट, उदयपुर में संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे। पायलट ने पहलगाम आतंकी हमले के बारे में पूछे जाने पर कहा, क्या और कैसे कार्रवाई करनी है ये तो केंद्र सरकार जानती है। लेकिन मैं इतना जानता हूं कि भारत का एक-एक नागरिक इस बात के लिए आतुर है कि हम जल्द से जल्द एक प्रभावी कार्रवाई करें ताकि आतंकवाद को दुबारा पनाह देने की हिम्मत पाकिस्तान न करे।

उन्होंने कहा, आज देश के 140 करोड़ लोग एकजुट हैं और चाहते हैं कि पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब मिलना चाहिए। बिना समय खोए सरकार को अपने सब संसाधन इकट्ठा करके कारवाई करनी चाहिए। क्योंकि अब यह साबित हो चुका है कि पाकिस्तान नहीं चाहता कि हमारे देश में अमन चैन रहे। पहलगाम के बैसरन में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गयी थी, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे।

पायलट ने कहा, मुझे लगता है कि केंद्र सरकार को बिना समय खोए निसंकोच होकर दृढ़ता से मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। पूरा देश एकजुट है और आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का यही एक तरीका है। पायलट ने जातिगत जनगणना के मुद्दे पर कहा कि कांग्रेस पार्टी चाहती है कि जातिगत जनगणना समयबद्ध तरीके से हो, पारदर्शी हो, वैज्ञानिक सोच के साथ जल्द से जल्द हो।

मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से नई दिल्ली स्थित जोधपुर हाउस में सोमवार को विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विषयों और राजस्थान के विकास पर चर्चा की। राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री मेघवाल की यह शिष्टाचार भेंट थी।

मोदी सरकार ने कांग्रेस के 'मजबूत संकल्प' के आगे झुकते हुए जाति जनगणना का आदेश दिया : सुरजेवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने सोमवार को दावा किया कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने विपक्षी दल के मजबूत संकल्प और दलित वर्गों की ताकत के आगे झुकते हुए अगली जनगणना में जाति गणना को भी शामिल करने का आदेश दिया। पटना में बिहार कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में सुरजेवाला ने केंद्र सरकार के पहले जाति जनगणना में आनाकानी करने के लिए सत्तारूढ़ भाजपा के डीएनए को जिम्मेदार ठहराया।

सुरजेवाला ने कहा, कांग्रेस के लिए सामाजिक न्याय और जाति जनगणना हमेशा एक ही सिक्के के दो पहलू रहे हैं। जिस मुद्दे को राहुल गांधी इतने जोरदार तरीके से उठाते आए हैं, वह संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) सरकार के दिनों से ही हमारी प्राथमिकता रहा है, जिसने 2011 में जातियों की गणना का आदेश दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि जब 2015 में जातियों की गणना की रिपोर्ट सामने आई, तो मोदी सरकार ने कदम पीछे खींच लिए।

सुरजेवाला ने दावा किया, शुरुआत में यह घोषणा करने के बाद कि नीति आयोग के तत्कालीन उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञों की समिति आगे की कार्रवाई को लेकर सिफारिश करेगी, सरकार ने 2021 में उच्चतम न्यायालय को सूचित किया कि वह पूर्ण समिति का गठन करना भूल गई और इसलिए कोई कदम नहीं उठाया जा सका। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मुखपत्र 'ऑर्गनाइजर' में 15 साल पहले प्रकाशित एक लेख की प्रतियां भी साझा कीं, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया था कि जातियों की गणना का विरोध केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के डीएनए में है।

सुरजेवाला ने दावा किया, लेकिन अब सरकार कांग्रेस के मजबूत संकल्प और दलित वर्गों की ताकत के आगे झुक गई है, जो अपनी आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी की मांग कर रहे हैं।

हालांकि, उन्होंने कहा कि सरकार (जाति जनगणना के) मामले में कैसे आगे बढ़ेगी, कांग्रेस इस पर करीबी नजर रख रही है।

कांग्रेस नेता ने कहा, सरकार ने घोषणा तो कर दी है, लेकिन न तो काम शुरू करने की तारीख बताई है और न ही इसे पूरा करने की समय सीमा तय की है।

केंद्र सरकार ने आगामी जनगणना प्रक्रिया में जाति गणना को पारदर्शी तरीके से शामिल करने का फैसला किया है।

झारखंड: भाजपा ने पाकिस्तानियों को भारत से निकालने की मांग को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड और भारत के अन्य हिस्सों में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं द्वारा राज्य भर में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। यह प्रदर्शन पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर भारत और पाकिस्तान के मध्य बढ़ते तनाव के बीच हो रहा है। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे और मरने वालों में अधिकतर पर्यटक शामिल थे।

इस आतंकवादी घटना के बाद, भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई दंडात्मक कदमों की घोषणा की थी, जिसमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना, इस्लामाबाद के साथ राजनयिक संबंधों को सीमित करना और अल्पकालिक वीजा पर रह रहे सभी पाकिस्तानियों को 27 अप्रैल तक भारत छोड़ने या कार्रवाई का सामना करने का आदेश देना शामिल था। भाजपा की झारखंड इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने राज्य की राजधानी रांची में मार्च निकाला। शहर के जिला स्कूल मैदान से निकाली गई रैली में स्थानीय विधायक सीपी सिंह, हटिया के विधायक नवीन जायसवाल और पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी समेत पार्टी के कई नेता शामिल हुए। उन्होंने रैली के दौरान 'पाकिस्तानी भारत छोड़ो' का नारा लगाया। रैली का समापन जिलाधिकारी कार्यालय पर होगा, जहां पार्टी के नेता रांची के उपायुक्त को एक ज्ञापन सौंपेंगे। भाजपा के एक नेता ने बताया कि झारखंड के विभिन्न हिस्सों में भी विरोध प्रदर्शन जारी हैं।

वोट बैंक के लिए वक्फ संशोधन कानून का विरोध कर रही है कांग्रेस: यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कांग्रेस पर वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के बारे में अफवाह फैलाने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि मुस्लिम समूहों और लोगों के पास वक्फ करने, उसका प्रबंधन करने और उसे विनियमित करने के अधिकार बरकरार रहेंगे।

दिल्ली भाजपा कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सामाजिक न्याय, आर्थिक विकास, पारदर्शिता और लैंगिक समानता के क्षेत्र में कई सुधार किए हैं। उन्होंने कहा, ''हाल में संसद द्वारा पारित वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 इस प्रगतिशील यात्रा का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।''

यादव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अफवाह फैला रही है कि इस कानून के कारण मुसलमानों के अधिकार समाप्त हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कानून में पहली बार संशोधन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि वक्फ मामलों में पारदर्शिता और प्रबंधन जैसे कुछ मुद्दों पर 2013 में किए गए पिछले संशोधन में ध्यान नहीं दिया गया था, जिनका अब वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 में ध्यान रखा गया है। यादव ने कहा, ''मुस्लिम समूहों और व्यक्तियों द्वारा वक्फ करने, प्रबंधित करने और विनियमित करने के अधिकार नवीनतम संशोधन के बाद भी बरकरार रहेंगे।'' उन्होंने कहा कि सरकार ने वक्फ विधेयक पर सभी विचारों को शामिल करने के लिए इस विषय को संयुक्त संसदीय समिति को भेजा था और वक्फ अधिनियम में नवीनतम संशोधनों पर विस्तार से चर्चा और विचार-विमर्श किया गया।

यादव ने कहा कि कांग्रेस के नेता वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के बारे में अफवाह फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनसे पूछा जाना चाहिए कि अगर वक्फ कानून इतना ही पवित्र था, तो उनकी पार्टी की सरकारों ने 1956 से अब तक आठ बार इसमें संशोधन क्यों किया। बाद में अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में मुस्लिम बुद्धिजीवियों की एक सभा को संबोधित करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस से पूछा जाना चाहिए कि उन्होंने वक्फ संपत्तियों के रिकॉर्ड को 2008 में रहमान समिति की सिफारिश के अनुसार कंप्यूटरीकृत क्यों नहीं किया और विवादों को निपटाने के लिए कोई न्यायिक प्रणाली क्यों नहीं विकसित की।

यादव ने कहा, ''उनसे यह भी पूछा जाना चाहिए कि उन्होंने पसमांदा लोगों और मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों के बारे में और प्रगतिशील मुस्लिम समाज के काम को रोकने के लिए पार्टी द्वारा किए गए पाप के बारे में बात क्यों नहीं की, ताकि इसे वोट बैंक के रूप में कायम रखा जा सके।'' उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम 2013 के बाद एक दशक के भीतर वक्फ संपत्तियों की संख्या दोगुनी हो गई। उन्होंने कहा कि 100 प्रतिशत की यह वृद्धि किसी की समझ से परे है और इसने वक्फ संपत्तियों के सही प्रबंधन की चर्चा को जन्म दिया है।

यादव ने कहा, ''केंद्रीय गृह मंत्री (अमित शाह) ने कहा है कि वक्फ का मुतवल्ली (देखभालकर्ता) केवल एक मुसलमान होगा और वे ही इसका प्रबंधन करेंगे।'' उन्होंने कहा कि सरकार आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर रही है या संविधान द्वारा दी गई धार्मिक स्वतंत्रता के साथ छेड़छाड़ नहीं कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने वक्फ संपत्तियों से संबंधित विवादों को निपटाने के लिए न्यायाधिकरण की एक बेहतर प्रणाली लाने का प्रयास किया है।

भारत ने दिव्यांग क्रिकेट श्रृंखला में श्रीलंका को 5-0 से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय शारीरिक दिव्यांग क्रिकेट टीम ने पी डी दीपक लोहिया स्मृति ट्रॉफी पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में श्रीलंका को 5-0 से हराया ।

पांच मैचों की श्रृंखला यहां 26 अप्रैल से पांच मई के बीच किनि क्रिकेट मैदान पर खेली गई थी ।

पांचवें मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 191 रन बनाये और श्रीलंका को 15 ओवर में 88 रन पर आउट कर दिया ।

भारत ने पहला मैच 103 रन से, दूसरा छह विकेट से , तीसरा तीन विकेट से और चौथा 66 रन से जीता था ।

विजेता भारतीय टीम को दो लाख रुपए और श्रीलंका को 50000 रुपए मिले ।

भाजपा सरकार का नया कारनामा 'गोबरनामा': अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को सरकारी भवनों में गाय के गोबर से बने प्राकृतिक पेंट के इस्तेमाल की वकालत करने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि 'गोबरनामा' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का नया कारनामा है।

यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, गोबरनामा' भाजपा सरकार का नया कारनामा। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर भी पोस्ट की, जिसमें सरकारी भवनों में गाय के गोबर से बने प्राकृतिक पेंट के इस्तेमाल की खबर छपी हुई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अधिकारियों को गौ संरक्षण केंद्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया था और सरकारी भवनों में गाय के गोबर से बने प्राकृतिक पेंट के इस्तेमाल की वकालत की थी। मुख्यमंत्री ने रविवार को पशुपालन एवं दुग्ध विकास विभाग की समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि निराश्रित गोवंश संरक्षण केंद्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि गोबर से निर्मित प्राकृतिक पेंट का प्रयोग सरकारी भवनों में भी किया जाए और इन पेंट संयंत्रों की संख्या बढ़ाई जाए। योगी ने कहा था कि पशुपालन और दुग्ध विकास प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार है तथा यह क्षेत्र केवल दुग्ध उत्पादन तक सीमित नहीं, बल्कि इसमें आजीविका, पोषण सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण की भी व्यापक संभावनाएं हैं।

पहले संवैधानिक संशोधन से आरक्षण की सुरक्षा हुई: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि वर्ष 1951 में हुए पहले संवैधानिक संशोधन से आरक्षण की सुरक्षा सुनिश्चित हुई। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने अनुच्छेद 15(4) को भारत के संविधान में संविधान (प्रथम संशोधन) अधिनियम, 1951 के माध्यम से शामिल किए जाने से जुड़े संक्षिप्त इतिहास का उल्लेख करते हुए यह टिप्पणी की।

रमेश ने पोस्ट किया, ''अनुच्छेद 15(4) को भारत के संविधान में संविधान (प्रथम संशोधन) अधिनियम, 1951 के माध्यम से शामिल किया और यह 18 जून 1951 से प्रभावी हुआ। यह अनुच्छेद राज्य को संवैधानिक शक्ति देता है कि वह किसी भी सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग के नागरिकों या अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की उन्नति के लिए विशेष प्रावधान कर सके।'' उनके अनुसार, अनुच्छेद 15(4) तब आवश्यक हो गया था जब 9 अप्रैल, 1951 को उच्चतम न्यायालय ने प्रसिद्ध ''मद्रास राज्य बनाम चंपकम दोराईराजन'' मामले में आरक्षण को रद्द कर दिया था। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि प्रथम संशोधन ने भूमि सुधार कानूनों को न्यायिक समीक्षा से बचाने के लिए नौवीं अनुसूची की व्यवस्था भी पेश की थी तथा यह आवश्यक हो गया था क्योंकि अदालतें जमींदारी उन्मूलन कानूनों को रद्द कर रही थीं। उन्होंने कहा, ''यह सारा इतिहास अब भुला दिया गया है। विधेयक पर प्रवर समिति की अध्यक्षता किसी और ने नहीं, बल्कि स्वयं तत्कालीन प्रधानमंत्री जवारलाल नेहरू ने की थी और इसमें सी. राजगोपालाचारी और डॉ. अंबेडकर शामिल थे। इसमें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भी सदस्य थे लेकिन उन्होंने एक असहमति नोट प्रस्तुत किया था।''

एक गांव ऐसा भी, जहां आजादी के बाद पहली बार किसी छात्र ने की हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण

बाराबंकी (उप्र)/भाषा। सुनने में यह भले ही अजीब लगे लेकिन हकीकत है कि बाराबंकी जिले के रामसनेहीघाट स्थित एक गांव में आजादी के बाद 77 साल के इतिहास में पहली बार किसी छात्र ने हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की है। जिला प्रशासन ने इस उपलब्धि के लिए छात्र को सम्मानित किया है।

जिला विद्यालय निरीक्षक ओ. पी. त्रिपाठी ने बताया रामसनेहीघाट थाना क्षेत्र के बनीकोंडर विकासखंड स्थित निजामपुर गांव में 15 वर्षीय छात्र रामकेवल ने माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की हाईस्कूल की परीक्षा में 55 प्रतिशत अंकों के साथ सफलता हासिल की है। त्रिपाठी ने बताया कि यह कामयाबी इसलिए खास है क्योंकि वर्ष 1947 में आजादी के बाद से इस गांव में कोई भी छात्र हाईस्कूल की परीक्षा पास नहीं कर पाया था। उन्होंने बताया कि रामकेवल ने हाईस्कूल परीक्षा उत्तीर्ण कर गांव के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेहद पिछड़े करीब 300 लोगों की आबादी वाले इस गांव में लगभग सभी लोग दलित वर्ग के हैं। अधिकारी ने बताया कि जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने गत तीन मई को रामकेवल और उसके माता-पिता को जिला मुख्यालय पर बुलाकर सम्मानित किया था।

दंगे भड़काने वाले बंगाल के दुश्मन, केंद्र को सीमाओं की सुरक्षा करनी चाहिए: मुर्शिदाबाद में ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुर्शिदाबाद/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर सोमवार को सांप्रदायिक नफरत फैलाने और देश की सीमा की सुरक्षा करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया।

बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि मुर्शिदाबाद में हाल की हिंसा से प्रभावित परिवारों को भाजपा द्वारा उनसे मिलने से रोका जा रहा है। पिछले महीने हुए दंगों के बाद पहली बार मुर्शिदाबाद पहुंचने पर बनर्जी ने कहा, कुछ बाहरी लोग और कुछ धार्मिक नेता समुदायों के बीच हिंसा और दुश्मनी भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। जो लोग दंगे भड़का रहे हैं, वे पश्चिम बंगाल के दुश्मन हैं।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की तीखी आलोचना करते हुए तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने आयोग के सदस्यों के मुर्शिदाबाद के हालिया दौरे के मद्देनजर उसकी प्राथमिकताओं पर सवाल उठाया। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या एनएचआरसी के सदस्यों ने भाजपा शासित उत्तर प्रदेश और जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा किया था, जहां अब राष्ट्रपति शासन है। बनर्जी ने आरोप लगाया, क्या एनएचआरसी ने मणिपुर और उत्तर प्रदेश का दौरा किया? वे मुर्शिदाबाद का दौरा करने में तत्पर थे। जिस तरह 2016 में नोटबंदी की घोषणा के एक दिन बाद ऑनलाइन भुगतान मंच ने अखबारों में पहले पन्ने पर विज्ञापन दिए थे, उसी तरह एनएचआरसी ने दंगे होने के तुरंत बाद मुर्शिदाबाद का दौरा किया। इसलिए मैं कह रही हूं कि यह पूर्व नियोजित था। उन्होंने दावा किया, मैंने अधिकतर साजिशों का पर्दाफाश कर दिया है, मैं मीडिया के सामने इसका पर्दाफाश करूंगी... दुर्भाग्य से, कुछ मीडिया संस्थान बेबुनियाद बातें फैलाने में भाजपा के हाथों की कठपुतली बन गए।

बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा ने मुर्शिदाबाद दंगों से प्रभावित परिवारों को 'जबरन' अन्य स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया ताकि वे उनसे मिल न सकें। उन्होंने कहा, भाजपा मुर्शिदाबाद दंगों से प्रभावित लोगों के परिवारों को वहां से दूर ले गयी ताकि वे मुझसे न मिल सकें।

'इंडियन आइडल' विजेता पवनदीप राजन सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल, नोएडा में जारी उपचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरोहा/भाषा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में बालीवुड गायक और 'इंडियन आइडल' के 12 संस्करण के विजेता पवनदीप राजन एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि घायल पवनदीप को नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग-नौ पर गजरौला में चौपला चौराहा ओवरब्रिज के पास रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब ढाई बजे हुई।

पुलिस ने बताया कि पवनदीप की 'एमजी हेक्टर' कार सड़क किनारे खड़े एक कैंटर (ट्रक) से जा टकराई। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना में गायक, कार चालक राहुल सिंह और एक अन्य व्यक्ति अजय मेहरा घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि तीनों घायलों को पहले राहगीरों ने स्थानीय अस्पताल पहुंचाया, फिर उन्हें बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र स्थानांतरित कर दिया गया। गजरौला थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश प्रधान ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि क्षतिग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया गया और मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिस इलाके में यह दुर्घटना हुई, वहां अक्सर अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों का तांता लगा रहता है, जिसके कारण यहां अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं। उत्तराखंड के चंपावत जिले के रहने वाले पवनदीप सोनी 'इंडियन आइडल' के 12वें संस्करण में जीत हासिल कर विजयी हुए थे। दुर्घटना की खबर के बाद मौके पर प्रशंसकों की भीड़ जमा हो गई और बाद में परिवार के सदस्य घायलों को नोएडा ले जाने के लिए पहुंचे। नोएडा स्थित 'फोर्टिस' अस्पताल ने एक बयान में बताया, पवनदीप को दुर्घटना के बाद आर्थोपेडिक्स टीम की देखरेख में अस्पताल में भर्ती किया गया है। उनके कई अंगों में 'फ्रैक्चर' हुआ है। बयान के मुताबिक, उनकी हालत स्थिर और वह फिलहाल होश में है। उनकी कई सर्जरी होनी हैं।

मैं बहुत आगे के बारे में नहीं सोचता और वर्तमान में जीने का पूरा आनंद लेता हूं: अर्शदीप सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मशाला/भाषा। पंजाब किंग्स की लखनऊ सुपर जॉइंट्स के खिलाफ आईपीएल मैच में जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का जीवन जीने का तरीका बेहद सरल है, बहुत आगे के बारे में नहीं सोचना और वर्तमान में जीने का पूरा आनंद लेना।

अर्शदीप ने लखनऊ के चोटी के तीन बल्लेबाजों को आउट करके पंजाब को शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने अब तक आईपीएल के वर्तमान सत्र में 11 मैचों में 16 विकेट ले लिए हैं और प्रसिद्ध कृष्णा (19 विकेट) और जोश हेज़लवुड (18 विकेट) के बाद सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। अर्शदीप ने मैच के बाद कहा, ''मैं बहुत आगे के बारे में नहीं सोचता और अभी केवल वर्तमान में जीने का पूरा आनंद ले रहा हूं। हम एक बार में एक मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।'''

उन्होंने कहा, '''यहां शुरू में गेंद को थोड़ा मूवमेंट मिल रहा था और मैंने वास्तव में इसका पूरा आनंद लिया।'' अर्शदीप खुश हैं कि वह पावरप्ले के अंदर मिशेल मार्श, एडेन मार्क्रम और निकोलस पूरन जैसे धाकड़ बल्लेबाजों के विकेट लेने में सफल रहे। उन्होंने कहा, ''मैं बस उसे (मार्श को आउट करने के लिए नेहल वढेरा का कैच) गेंद की ओर दौड़ते हुए देख रहा था। मैं प्रार्थना कर रहा था बस इसे पकड़ लो क्योंकि आप जानते हैं कि मिच एक बहुत ही खतरनाक खिलाड़ी है। इस विकेट का पूरा श्रेय नेहल को जाता है।''

अर्शदीप ने कहा, ''लखनऊ के चोटी के तीन बल्लेबाज ही अधिक रन बना रहे थे इसलिए हमने सोचा कि अगर हम उनको जल्दी आउट कर देते हैं तो हमारा पलड़ा भारी रहेगा। हमने अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया।''

प्लेआफ का सपना अभी भी बरकरार, हम हालात बदल सकते हैं : पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मशाला/भाषा। खराब प्रदर्शन से निराश लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने अभी भी आईपीएल प्लेआफ में प्रवेश की उम्मीद छोड़ी नहीं है और उनका मानना है कि बाकी तीन मैचों में उनकी टीम हालात बदल सकती है। बल्लेबाजों के एक बार फिर खराब प्रदर्शन के कारण लखनऊ को रविवार को पंजाब किंग्स ने 37 रन से हराया ।

लखनऊ के अब 11 मैचों में दस अंक है और तालिका में वह सातवें स्थान पर है । टीम का नेट रनरेट माइनस 0.47 है और सिर्फ बाकी तीन मैच जीतने से पंत की टीम प्लेआफ में नहीं पहुंच सकेगी । पंत ने मैच के बाद कहा ,'' सपना अभी भी बरकरार है । अगर हम अगले तीन मैच जीत जाये तो हालात बदल सकते हैं ।'' उन्होंने स्वीकार किया कि 236 रन का लक्ष्य बहुत अधिक था और उनकी फील्डिंग भी औसत रही । उन्होंने कहा ,''हमने बहुत रन दे दिये । निर्णायक समय पर कैच टपकाने का खामियाजा भुगतना पड़ता है । हमने शुरूआत ही अच्छी नहीं की लेकिन यह होता है ।'' पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा ,'' सही समय पर सभी ने योगदान दिया जो अहम है ।'' उन्होंने 48 गेंद में 91 रन बनाने वाले प्रभसिमरन सिंह की तारीफ करते हुए कहा ,'' जिस तरह से उसने बल्लेबाजी की, वह शानदार था । उसे देखकर बहुत अच्छा लगा ।'' उन्होंने कहा ,'' हमें फील्डिंग में सुधार करना होगा । आगे के मैचों में इस पर ध्यान देना जरूरी है ।''

गेंदबाजों को आखिरकार कुछ स्विंग मिल सकती है: मोहम्मद शमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का मानना है कि आईपीएल 2025 में गेंद पर लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध हटाने के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कदम ने इस टी20 लीग में बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बहाल कर दिया है जो लंबे समय से गेंदबाजों के लिए कब्रगाह रही है।

आईपीएल के मौजूदा सत्र की शुरूआत से पहले बीसीसीआई ने गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर लगा प्रतिबंध हटा दिया और रात के मुकाबलों में ओस से निपटने के लिए 'दो गेंद' का नियम लागू किया जिससे गेंदबाजों को बहुत राहत मिली जो गेंदबाजी नियमों में बदलाव की वकालत कर रहे थे। शमी ने 'जियोहॉटस्टार' पर कहा, ''लंबे समय से नियम बल्लेबाजों के पक्ष में रहे हैं लेकिन अब अंतत: चीजें थोड़ी बदल रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''कोविड के बाद लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध ने गेंद को रिवर्स स्विंग कराना मुश्किल बना दिया था लेकिन इसे हटाए जाने के बाद गेंदबाजों को अंतत: कुछ स्विंग वापस मिल सकती है। साथ ही गीली गेंद को बदल पाना एक बड़े फायदे की स्थिति है- सूखी गेंद बेहतर पकड़ और मौके देती है, विशेषकर कठिन परिस्थितियों में।

दिलचस्प बात यह है कि बीसीसीआई ने ये बदलाव शमी द्वारा गेंद पर लार के इस्तेमाल के महत्व पर जोर दिए जाने के कुछ दिनों बाद लागू किए। घुटने की चोट के कारण एक साल से अधिक समय तक बाहर रहे शमी ने कहा कि लय और मानसिकता हासिल करना कठिन था। शमी ने कहा, ''चोटें एक तेज गेंदबाज के जीवन का हिस्सा हैं। मुझे ठीक होने में 14 महीने लगे और यह आसान नहीं था, विशेषकर घरेलू करियर के दौरान मैंने जिन चुनौतियों का मैंने सामना किया उन्हें देखते हुए। लय और सही मानसिकता हासिल करना कठिन था।'' इस तेज गेंदबाज ने कहा, ''2023 में मैं अचानक चोटिल हो गया इसलिए मैंने जितना संभव हो सके उतने घरेलू मैच खेलने का फैसला किया - 12 या 13 मैच खेले। इंग्लैंड श्रृंखला के साथ-साथ इसने मुझे आत्मविश्वास फिर से हासिल करने में मदद की। जब प्रदर्शन की बात आती है तो मैंने हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान केंद्रित किया है।'' वर्ष 2023 में स्वदेश में हुए एकदिवसीय विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन के तुरंत बाद शमी चोटिल हो गए और लंबे समय तक खेल से दूर रहे। शमी ने अपनी नई फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने के अनुभव के बारे में भी बताया।

सुविचार

कुछ बनने का विचार छोड़ दो, क्योंकि तुम पहले से ही एक उत्कृष्ट कृति हो। आपको सुधारा नहीं जा सकता। आपको केवल इसके पास आना है, इसे जानना है, इसका अनुभव करना है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

युद्ध का नया मोर्चा

भारत सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद जो कदम उठाए हैं, उनसे पाकिस्तान में भारी घबराहट है। पाक पर निर्णायक चोट करने के लिए उसकी घेराबंदी की जा रही है। इस दौरान आम नागरिकों को बहुत सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि दुश्मन एक ऐसा युद्ध शुरू कर चुका है, जिसमें कोई धमाका नहीं हो रहा, लेकिन नुकसान हो सकता है। वह है- साइबर युद्ध! पाकिस्तानी हैकरों ने भारत की कई सरकारी वेबसाइटों पर हमले किए हैं। आम लोग भी इनके निशाने पर हैं। यह युद्ध मोबाइल फोन और कंप्यूटरों के जरिए लड़ा जा रहा है। इसका हमें ज्ञान होना जरूरी है, क्योंकि जरा-सी गलती खुद का और देश का बड़ा नुकसान करवा सकती है। चूंकि पूरा देश चाहता है कि पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत सरकार बहुत सख्त कार्रवाई करे, इसलिए यह मुद्दा वॉटसऐप समूहों पर काफी चर्चा में है। लोगों के पास इससे संबंधित जो भी लिंक आ रहे हैं, वे उन पर क्लिक कर रहे हैं। इसके अलावा जिन फाइलों के नाम में 'पहलगाम', 'इंडियन आर्मी', 'इंडियन एयरफोर्स' जैसे शब्द लिखे होते हैं, लोगों के मन में उन्हें जल्द डाउनलोड करने और खोलने की जिज्ञासा होती है। अनजान और गैर-भरोसेमंद लोगों द्वारा भेजी गईं ऐसी फाइलों में वायरस हो सकते हैं। यह आईएसआई का पुराना तरीका है। ऐसी फाइल को डाउनलोड करते ही हैकर सिस्टम में सेंध लगा सकते हैं। उसके बाद पूरे डेटा तक उनकी पहुंच हो जाती है। जो लोग खुद या उनके परिवार का कोई सदस्य सुरक्षा बलों में कार्यरत है, उन्हें बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। ऐसे माहौल में छोटी-छोटी बातें, जो संभवत: हमें ज्यादा महत्त्वपूर्ण न लगें, लेकिन दुश्मन उनका फायदा उठा सकता है।

राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित कई गांवों में लोगों के पास ऐसी फोन कॉल आई हैं, जिनमें बहुत चालाकी से हमारे सुरक्षा बलों के वाहनों की आवाजाही से जुड़ी जानकारी लेने की कोशिश की गई। आईएसआई के एजेंट अन्य राज्यों में भी लोगों को कॉल कर रहे हैं। वे पहले आत्मीयता जताते हैं, उसके बाद बातों में उलझाते हैं, फिर कोई जानकारी लेने की कोशिश करते हैं। आम आदमी को शायद पता भी न चले कि उसने जिस व्यक्ति को जानकारी दी है, वह उसका कितना दुरुपयोग कर सकता है! एक ऑडियो कॉल में आईएसआई का एजेंट किसी भारतीय किशोर (जिसके पिता सेना में सेवारत हैं) को फोन करते हुए बड़ी चालाकी से यह जानकारी लेने की कोशिश कर रहा था कि उसके नजदीकी रेलवे स्टेशन से कितने सैनिक गए हैं! हालांकि उस बच्चे ने बहुत सूझबूझ दिखाई और ऐसी कोई भी जानकारी देने से साफ इन्कार कर दिया। अनजान व्यक्ति द्वारा फोन पर ऐसी सूचना मांगे जाने की स्थिति में यही करना चाहिए। ऐसे लोगों की पहचान बहुत आसानी से की जा सकती है। प्राय: ये लोग 'जे हिंद' कहते हुए अभिवादन करते हैं। ज्यादातर का लहजा पाकिस्तानी पंजाब का होता है। वे हिंदी के ऐसे शब्दों का भी प्रयोग करते हैं, जो आम भारतीय सामान्य बोलचाल में नहीं करता। प्राय: उन शब्दों का उच्चारण ग़लत होता है। जैसे - मेरा उनसे 'वरतालाप' (वार्तालाप) हुआ था। ये लोग कुछ नामों का उच्चारण करते समय अपनी पोल खुद ही खोल देते हैं। जैसे- राधे श्याम को राधे शयाम/शियाम, विजय को विजे/वजे, अर्जुन को अरजन, अरविंद को अरबंद, कर्ण सिंह को करन सिंघ कहते हैं। इसकी बड़ी वजह यह है कि उनके उच्चारण पर पाकिस्तानी पंजाबी और उर्दू का गहरा असर होता है। इसे आसानी से दूर नहीं किया जा सकता। अलबत्ता हिंदी जानने वाले भारतीय नागरिक इनके उच्चारण की ओर थोड़ा-सा ध्यान देकर असलियत का पता लगा सकते हैं। इन नंबरों की सूचना पुलिस या सुरक्षा बलों को जरूर देनी चाहिए। समस्त भारतवासी एकजुट और सजग रहकर ही दुश्मन को मात दे सकते हैं।

ट्वीटर टॉक

भाजपा द्वारा हमारी सरकार गिराने का षड़यंत्र करने पर विधायकों को एकजुट रखने के लिए कुछ दिन होटल में रहना पड़ा जिससे भाजपा का कोई प्रलोभन काम न करे। अंतत: भाजपा के धनबल की हार हुई तथा सत्य की विजय हुई और हमारी सरकार चलती रही।

-अशोक गहलोत

गुजरात के केवड़िया में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित विधायकों एवं सांसदगणों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर हेतु आज अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मिले असीम स्नेह एवं मान-सम्मान से अभिभूत हूं।

-दीया कुमारी

भाजपा के राष्ट्रीय संगठक श्री वी. सतीश जी की पूज्य माता जी के निधन का दु:खद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिवार को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

दयालुता

एक दिन सुभाष चंद्र बोस की माता प्रभावती देवी उनके अध्ययन कक्ष में आईं। उन्होंने देखा कि सुभाष की मेज से चीटियों की लंबी कतार किताबों की अलमारी की ओर जा रही थी। वे सोचने लगीं कि शायद अलमारी में कोई कीट मर गया हो, इसलिए उन्होंने अलमारी खोली और किताबें उलट-पलट कर देखने लगीं। तभी उन्हें दो मीठी रोटियां दिखाई दीं, जिनके कण चीटियां ले जा रही थीं। मां को यह समझते देर न लगी कि सुभाष ने किसी खास कारण से ये रोटियां रखी होंगी। तभी सुभाष कमरे में आए। मां ने पूछा, 'बेटा, तुमने अलमारी में रोटियां क्यों रखी थीं?' सुभाष ने जवाब दिया, 'मां, आपने उन रोटियों को फेंक दिया? आपने बिल्कुल सही किया। दरअसल, मैं रोज अपने खाने से दो रोटियां बचाकर एक बूढ़ी भिखारिन को दिया करता था, जो मेरे स्कूल के रास्ते में खड़ी रहती थी। कल जब मैं रोटियां देने गया, तो वह नहीं मिली। सो, मैंने सोचा कि जब वह वापस मिलेगी, तो उसे दे दूंगा। लेकिन आज पता चला कि वह स्वर्ग सिधार चुकी हैं।' सुभाष चंद्र बोस की माता उनके उत्तर को सुनकर कुछ देर तक उन्हें देखती रही।

सामयिक

मानसिक त्रासदी बनती सोशल मीडिया की सनक

डॉ. नीलू तिवारी
मोबाइल : 9413907005

हाल ही में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मीशा अग्रवाल ने अपने घटते फॉलोवर्स के चलते आत्महत्या कर ली। इस घटना ने सोशल मीडिया यानी कि आभासी दुनिया की कड़वी सच्चाई को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। इसके साथ ही मानसिक पहलुओं पर भी दुनिया भर में चर्चा छेड़ दी है। महज 23 साल की मीशा के फॉलोवर्स की संख्या में गिरावट आई, तो उसने खुद को बेकार समझना शुरू कर दिया। इसके बाद मीशा गहरे अवसाद में चली गई। उसकी आत्महत्या ने यह दिखाया कि कैसे ऑनलाइन मान्यता की खोज एक व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकती है।

असल में आज सोशल मीडिया केवल एक संवाद का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह एक नया समाज बन गया है। ऐसा समाज, जहां रिश्ते, सोच और पहचान अब स्क्रीन पर तय होते हैं। इस समाज में एक नई भूमिका उभरी है इन्फ्लुएंसर (प्रभावक) की। इस नई दुनिया में इन्फ्लुएंसर वे लोग हैं, जो हजारों या लाखों लोगों तक पहुंचते हैं। इन्फ्लुएंसर वे व्यक्ति होते हैं, जिन्होंने फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में फॉलोवर्स जुटाए हैं। ये अब केवल कंटेंट निर्माता नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी के विचार, व्यवहार और दृष्टिकोण को दिशा देने वाले नए सामाजिक मार्गदर्शक बन चुके हैं।

भारत में साल 2024 तक 50 करोड़ से अधिक सोशल मीडिया उपयोगकर्ता थे, जिनमें से लगभग 65 प्रतिशत युवा (18-35 वर्ष) हैं। एक सर्वे के अनुसार, 75 प्रतिशत युवा इन्फ्लुएंसर्स से प्रेरित होकर खरीदारी का निर्णय लेते हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर हुए शोध के अनुसार, जो युवा दिन में तीन घंटे से अधिक सोशल मीडिया इस्तेमाल करते हैं, उनमें चिंता और अवसाद की संभावना 21 प्रतिशत अधिक होती है। अधिकांश इन्फ्लुएंसर अपनी जिंदगी का सिर्फ फिल्टर किया हुआ चमकदार हिस्सा दिखाते हैं। इससे युवा यह मानने लगते हैं कि सफलता का मतलब महंगी गाड़ियां, लग्जरी जीवन और आकर्षक चेहरा है, जबकि यह यथार्थ से बहुत दूर होता है। युवाओं की आत्मा अब लाइक्स, फॉलोवर्स और कमेंट्स से जुड़ने लगी है। अगर कोई पोस्ट वायरल नहीं हुई, तो वे खुद को असफल समझने लगते हैं। यह डिप्रेशन लो सेल्फ-एस्टीम और सोशल एंग्जायटी को जन्म देता है। इन्फ्लुएंसर बनने की चाह में बहुत से युवा अपनी असली पहचान खो देते हैं। वे सिर्फ कैमरे के लिए जीने लगते हैं। असल जीवन और डिजिटल जीवन के बीच दूरी बढ़ जाती है। इससे आत्म विरोध, दोहरे व्यक्तित्व और मानसिक थकावट जैसी समस्याएं उभरती हैं।

कुछ इन्फ्लुएंसर्स व्यूज के लिए आपत्तिजनक कपड़े, भाषा या हरकतें करते हैं। कुछ इंस्टाग्राम रील्स और यूट्यूब शॉर्ट्स में अभद्र भाषा और भड़काऊ डांस दिखाना अब सामान्य हो गया है। इससे किशोरों पर बुरा असर पड़ता है। इन्फ्लुएंसर बनने की दौड़ में युवा सामाजिक संबंधों, परिवार, पढ़ाई और जीवन के असल पक्षों से कटते जा रहे हैं। कुछ युवा 14-15 साल की उम्र में स्कूल छोड़कर फुल-टाइम क्रिएटर्स बनने की कोशिश में समय और शिक्षा दोनों गंवा देते हैं। मीशा से पहले भी भारत में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं। साल 2020 में एक 18 वर्ष की टिक टॉक यूजर ने आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसके फॉलोवर्स अचानक घट गए थे और वीडियो पर ट्रोलिंग हुई थी।वहीं यूके की एक इन्फ्लुएंसर ओलिविया जेड ने भी इसी तरह के मामले में आत्महत्या कर ली। उसके परिवार का कहना था कि वह हमेशा सोशल मीडिया पर खुद को साबित करने के दबाव में रहती थी। वहीं दक्षिण कोरिया के पॉप कलाकार और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की आत्महत्या भी ट्रोलिंग और सोशल दबाव से जुड़ी मानी जाती हैं।

असल में बाहर से हंसते-हंसते पोस्ट डालने वाले अधिकतर इन्फ्लुएंसर अंदर से टूटे हुए होते हैं। वे हर दिन परफेक्ट दिखने के दबाव में जीते हैं, लेकिन किसी से कुछ कह नहीं पाते। ली मैकमिलन, जो कि एक ट्रैवल इन्फ्लुएंसर थी। उसने दुनिया घूमी, हजारों फॉलोवर्स थे पर अवसाद ने उसकी जिंदगी लील ली। आत्महत्या के बाद उसके परिवार ने मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता की मुहिम शुरू की। एक प्रसिद्ध फिटनेस इन्फ्लुएंसर ने स्वीकार किया कि वह कैमरे के सामने ऊर्जा से भरी दिखती थी पर कैमरे के पीछे रातों को रोती थी। वह नींद की बीमारी से जूझ रही थी। असल में यह दुनिया उतनी आसान और ग्लैमरस नहीं है, जितनी स्क्रीन पर नजर आती है। इन्फ्लुएंसर्स में प्रमुख मानसिक समस्याएं जैसे कि डिजिटल थकावट, पहचान का संकट, फॉलोवर्स गिरना यानी आत्मविश्वास कम होना, ऑनलाइन ट्रोलिंग और आलोचना देखने को मिलती हैं। नामचीन अखबार के एक लेख में बताया गया कि 88 प्रतिशत परिवारों में तीन-चार सदस्य और सामाजिक दबावों के कारण अधिकतर युवा अकेलापन महसूस कर रहे हैं।

मीशा की कहानी हमें यह सिखाती है कि सोशल मीडिया की दुनिया में सफलता की चमक के पीछे गहरे मानसिक संघर्ष हो सकते हैं। यह आवश्यक है कि हम अपने आस-पास के लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें और उन्हें यह समझाएं कि ऑनलाइन मान्यता ही जीवन का मापदंड नहीं है। मीशा की आत्महत्या कोई निजी त्रासदी नहीं थी। यह पूरी पीढ़ी की एक सामाजिक त्रासदी है। हमें अब रुक कर सोचने की जरूरत है कि क्या हम इंसानों को विचार और प्रसिद्धि के लायक मानते हैं या फिर इंसान होने के नाते ही उनकी कद्र करते हैं? अब केवल संवेदनाएं व्यक्त करने से काम नहीं चलेगा। सरकार, सोशल मीडिया कंपनियां, समाज और खुद इन्फ्लुएंसर्स सभी को मिलकर एक सुरक्षित और मानसिक रूप से स्थिर डिजिटल दुनिया बनानी होगी। नए क्रिएटर्स को यह सिखाया जाए कि फॉलोवर्स, लाइक और व्यूज आने-जाने वाली चीजें हैं। उन्हें डिजिटल स्थिरता और भावनात्मक लचीलापन सिखाया जाए।

कई बार लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का प्रेशर भी इन्फ्लुएंसर्स पर रहता है। ऐसे में दूसरों से दूरी महसूस करने या तटस्थ रहने की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि जब इन्फ्लुएंसर्स या सेलेब्रिटीज की बात आती है, तो उनके स्ट्रगल्स या जिन परेशानियों से वे जूझ रहे हैं, उसे देखने में लोग नाकाम होते हैं, क्योंकि लोग वही देखते हैं जो उन्हें पब्लिक प्लेटफॉर्म पर दिखाया जा रहा है। इन्फ्लुएंसर्स की प्राइवेट और सोशल लाइफ के बीच गैप होता है, जो वक्त के साथ गहराता जाता है। लोग खुद को उनकी जिंदगी का हिस्सा समझने लगते हैं। ऐसे लोग ये भूल जाते हैं कि इन्फ्लुएंसर्स की सोशल मीडिया से अलग भी एक जिंदगी है और अपनी चुनौतियां हैं। मनोरोग पर साल 2024 में जारी रिपोर्ट में डिप्रेशन को आत्महत्या का प्रमुख कारक बताया गया। भारत दुनिया का छठा सबसे डिप्रेशन ग्रस्त देश है। यहां मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव गंभीर है। 80-86 प्रतिशत डिप्रेशन के मरीज उपचार नहीं ले पाते और प्रति एक लाख लोगों पर एक से कम मनोचिकित्सक उपलब्ध है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, भारत में 15-24 वर्ष के प्रत्येक सात में से एक युवा मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा है, जिनमें केवल 41 प्रतिशत ही काउंसलिंग लेते हैं। सरकार ने राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति और टेली-मानस जैसी पहल शुरू की हैं, लेकिन इनका प्रभाव अभी सीमित है। असल में ट्रोलर्स को पकड़ने के लिए फास्ट-ट्रैक साइबर न्यायालय बनाए जाने की जरूरत है। हेट कमेंट्स, साइबर बुलिंग जैसे मामलों में सख्त सजा का प्रावधान करना जरूरी है।

स्कूल, कॉलेज और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नियमित अभियान चलाए जाएं। इन्फ्लुएंसर्स को सिखाया जाए कि आत्मसम्मान लाइक्स और फॉलोवर्स से जुड़ा नहीं होता। अब यह केवल सोशल मीडिया की दुनिया का मसला नहीं रहा, बल्कि समाज, परिवार, सरकार और तकनीकी कंपनियों की सामूहिक जिम्मेदारी बन चुका है। वे डिजिटल युग में मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही अहमियत दें, जितनी लाइक्स और फॉलोवर्स को दी जाती है। सिर्फ इन्फ्लुएंसर नहीं, इंसान पहले हैं और इंसान को भावनाओं, सुरक्षा और समर्थन की अधिक जरूरत होती है। अब समय है कि हम संवेदनशील बनें, युवाओं को समझें और ऐसा डिजिटल माहौल बनाएं, जहां सफलता का मतलब संतुलन हो न कि केवल संख्या।

नजरिया

भारत-पाक संबंध : संघर्ष, अविश्वास और नए रास्ते की तलाश

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
मोबाइल : 9955818270

आज स्थिति यह है कि भारत-पाक संबंधों में संवाद का स्थान अविश्वास और जवाबी कार्रवाई ने ले लिया है। पाकिस्तान द्वारा शांति के हर प्रस्ताव के पीछे छिपी उसकी रणनीतिक चालों को भारत अच्छी तरह पहचान चुका है। इसलिए अब भारत केवल शब्दों के भरोसे नहीं, बल्कि ठोस कदमों से अपनी सुरक्षा नीति का संचालन कर रहा है। आतंकवाद के विरुद्ध सख्त रुख और सैन्य कार्रवाई की तत्परता भारत के बदले हुए दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत अब पाकिस्तान के आंतरिक संकटों को लेकर भी सतर्क है। पाकिस्तान एक गहरे राजनीतिक और आर्थिक संकट से जूझ रहा है।

भारत और पाकिस्तान के संबंध दशकों से संघर्ष, अविश्वास और तनाव की कड़वी छाया में रहे हैं। 1947 के विभाजन की त्रासदी से उपजी कटुता ने दोनों देशों के बीच गहरे वैमनस्य का बीज बोया, जो समय के साथ और भी विषाक्त होता गया। कश्मीर विवाद से लेकर आतंकवादी गतिविधियों तक, विभिन्न मोर्चों पर तनातनी ने इन संबंधों को सामान्य बनाने के हर प्रयास को विफल कर दिया। हाल के वर्षों में पुलवामा जैसे आतंकवादी हमलों ने न केवल भारत के धैर्य की परीक्षा ली, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ यह संकेत भी दिया कि अब भारत आतंकवाद सहने के पुराने रवैये को छोड़ चुका है। भारत की राजनीतिक, सैन्य और कूटनीतिक प्रतिक्रिया स्पष्ट है कि अब वह अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए निर्णायक कदम उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

भारत-पाक संबंधों के इतिहास पर दृष्टि डालें तो अनेक अवसर ऐसे आए जब शांति स्थापना के प्रयास हुए, किंतु वे विफल रहे। 1972 में हुए शिमला समझौते को भारत-पाक रिश्तों में स्थायित्व लाने की एक गंभीर कोशिश के रूप में देखा गया था। इस समझौते के तहत दोनों देशों ने विवादों को आपसी बातचीत से सुलझाने का संकल्प लिया था। परंतु पाकिस्तान ने इस समझौते का बार-बार उल्लंघन किया और आतंकवाद को प्रोत्साहन देकर भारत के धैर्य की सीमाओं को ललकारा। कारगिल युद्ध इसका ज्वलंत उदाहरण है, जब शांति प्रक्रिया की आड़ में पाकिस्तान ने भारत की पीठ में छुरा घोंपा। उसके बाद भी पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देना, संघर्षविराम का उल्लंघन करना और भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहना इस बात का प्रमाण है कि वह वास्तव में शांति के लिए प्रतिबद्ध नहीं है।

वर्तमान में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान के साथ किसी भी प्रकार के वार्ता का आधार केवल आतंकवादमुक्त वातावरण ही हो सकता है। पुलवामा हमले के बाद भारत ने बालाकोट में आतंकवादी शिविरों पर सर्जिकल स्ट्राइक कर यह संदेश दिया कि अब वह आतंकवादी कार्रवाइयों का मूकदर्शक नहीं रहेगा। सीमित सैन्य कार्रवाई करने के बावजूद भारत ने इस बार अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया। भारत का यह आत्मविश्वास उसकी बदली हुई विदेश नीति का परिचायक है, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

भारत को आज इस स्थिति में दुनिया को भी यह समझाने की आवश्यकता है कि पाकिस्तान एक आतंकवाद-प्रायोजक देश है। इसके लिए भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान की गतिविधियों को उजागर करने की दिशा में गंभीर प्रयास किए हैं। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (ऋ-ढ्र) द्वारा पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डाले जाने का भारत ने पुरजोर समर्थन किया है। यदि पाकिस्तान आतंकवाद को प्रायोजित करना नहीं छोड़ता है, तो उसे एक पूर्ण आतंकवाद-प्रायोजक देश घोषित कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित किया जा सकता है। यह रणनीति पाकिस्तान को वैश्विक स्तर पर अलग-थलग करने की दिशा में कारगर हो सकती है। वास्तव में पाकिस्तान की नीतियों में आतंकवाद एक राज्य नीति का हिस्सा बन चुका है। भारतीय उपमहाद्वीप में अस्थिरता बनाए रखने के लिए पाकिस्तान ने 'आउटसोर्सिंग ऑफ टेररिज्म' की रणनीति अपनाई है, जिसमें राज्य प्रायोजित आतंकवादी गुटों का इस्तेमाल किया जाता है। जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठन इसी रणनीति का परिणाम हैं। भारत ने वैश्विक समुदाय को यह बताने का प्रयास किया है कि पाकिस्तान आतंकवादियों का सुरक्षित आश्रय स्थल बन चुका है, जो न केवल भारत बल्कि समूचे विश्व के लिए खतरा है।

आज स्थिति यह है कि भारत-पाक संबंधों में संवाद का स्थान अविश्वास और जवाबी कार्रवाई ने ले लिया है। पाकिस्तान द्वारा शांति के हर प्रस्ताव के पीछे छिपी उसकी रणनीतिक चालों को भारत अच्छी तरह पहचान चुका है। इसलिए अब भारत केवल शब्दों के भरोसे नहीं, बल्कि ठोस कदमों से अपनी सुरक्षा नीति का संचालन कर रहा है। आतंकवाद के विरुद्ध सख्त रुख और सैन्य कार्रवाई की तत्परता भारत के बदले हुए दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत अब पाकिस्तान के आंतरिक संकटों को लेकर भी सतर्क है। पाकिस्तान एक गहरे राजनीतिक और आर्थिक संकट से जूझ रहा है। उसकी घरेलू स्थिति इतनी अस्थिर है कि सेना और आतंकवादी संगठनों के गठजोड़ ने देश की राजनीति को बंधक बना लिया है। ऐसे में पाकिस्तान अपनी आंतरिक विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए भारत विरोधी भावनाओं को भड़काता है। भारत को इस बात के प्रति सचेत रहना होगा कि पाकिस्तान की राजनीतिक अस्थिरता का उपयोग वह सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए कर सकता है।

अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भी भारत का दृष्टिकोण सुदृढ़ हुआ है। अमेरिका, यूरोपीय संघ और रूस जैसे महत्त्वपूर्ण देशों ने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया है। आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत की भूमिका अब निर्णायक बनती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ सहित कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को घेरा है और यह दर्शाया है कि शांति और विकास के मार्ग में आतंकवाद सबसे बड़ी बाधा है।

ऐसे में भारत को अपनी इस कूटनीतिक बढ़त को बनाए रखते हुए वैश्विक समर्थन को और सशक्त करना चाहिए। भारत-पाक संबंधों की जटिलता को समझते हुए यह आवश्यक हो जाता है कि भारत अपनी आंतरिक मजबूती पर भी पूरा ध्यान दे। एक सशक्त, आत्मनिर्भर और आर्थिक दृष्टि से प्रबल भारत ही पाकिस्तान द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का प्रभावी उत्तर दे सकता है। देश की एकता, सैन्य क्षमता, तकनीकी प्रगति और नागरिकों की जागरूकता इस दिशा में सबसे बड़े हथियार हैं। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि आतंकवादी हमलों के विरुद्ध केवल सैन्य प्रतिक्रिया ही नहीं, बल्कि रणनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक मोर्चों पर भी प्रभावी कार्यवाही की जाए।

आज भारत के समक्ष अवसर है कि वह पाकिस्तान के साथ संबंधों को पुनर्परिभाषित करे। अब तक के अनुभवों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान के साथ पारंपरिक कूटनीति, वार्ता और समझौते स्थायी समाधान नहीं दे सके हैं। अब आवश्यकता है एक ऐसी नीति की, जिसमें आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस को केंद्र में रखा जाए। पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि जब तक वह आतंकवाद को एक राज्य नीति के रूप में अपनाना बंद नहीं करता, तब तक भारत के साथ सामान्य संबंध असंभव हैं। इसके अतिरिक्त भारत को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के झूठे प्रचार का प्रभाव अंतरराष्ट्रीय मंचों पर न्यूनतम रहे। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह उसका आंतरिक मामला है और इस पर किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की कोई गुंजाइश नहीं है। पाकिस्तान इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीयकरण करने का निरंतर प्रयास कर रहा है, किंतु भारत की दृढ़ कूटनीति ने उसे इस मोर्चे पर भी विफल किया है।

संक्षेप में कहें तो भारत-पाक संबंध अब उस मोड़ पर पहुँच चुके हैं, जहाँ शांति की कोई भी संभावना तभी साकार हो सकती है जब पाकिस्तान आतंकवाद का पूरी तरह परित्याग करे। भारत ने अब यह मानसिकता विकसित कर ली है कि वह केवल प्रतिक्रिया देने वाला राष्ट्र नहीं रहेगा, बल्कि यदि आवश्यक हुआ तो पहल करके अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। आतंकवाद, सीमा उल्लंघन और द्विपक्षीय समझौतों के उल्लंघन जैसी हरकतों पर अब भारत की प्रतिक्रिया त्वरित, निर्णायक और कठोर होगी।

भारत को अपने नागरिकों को भी इस सच्चाई के प्रति जागरूक करना होगा कि पाकिस्तान के साथ सामान्य संबंध स्थापित करने की इच्छा कितनी भी प्रबल क्यों न हो, उसे राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से ऊपर नहीं रखा जा सकता। एक सशक्त भारत ही आतंकवाद और अस्थिरता की नीतियों का माकूल जवाब दे सकता है। भारत-पाक संबंधों का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि पाकिस्तान किस हद तक अपनी नीति और दृष्टिकोण में बदलाव लाता है। यदि वह वाकई में एक शांतिप्रिय राष्ट्र बनने का संकल्प लेता है और आतंकवाद का समर्थन छोड़ता है, तभी दोनों देशों के बीच शांति और सहयोग का नया अध्याय लिखा जा सकता है। अन्यथा भारत को अपनी सुरक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाने के लिए तत्पर रहना ही होगा, चाहे वह कूटनीतिक मोर्चे पर हो या रणनीतिक कार्यवाहियों के माध्यम से।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राफेल के ऊपर से 'नींबू-मिर्च' कब हटाएगी सरकार, कब होगी पहलगाम हमले के खिलाफ ठोस कार्रवाई: अजय राय

वाराणसी (उप्र)/भाषा। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने राफेल लड़ाकू विमान का उपहास उड़ाते हुए प्रतीकात्मक तौर पर एक खिलौना विमान से 'नींबू-मिर्च' लटकाकर सरकार से पूछा कि राफेल के ऊपर से 'नींबू-मिर्च' कब हटेगा।

सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। राय ने रविवार को संवाददाताओं से बातचीत में राफेल विमान का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि पाकिस्तान को पहलगाम हमले का जवाब देने के लिए केंद्र सरकार राफेल के ऊपर से नींबू-मिर्च कब हटाएगी? उन्होंने अपनी आलोचना को और धार देने के लिए प्रतीकात्मक तौर पर एक खिलौना विमान से नींबू-मिर्च लटकाकर दिखाया और कहा कि पूरा भारत पहलगाम हमले का बदला लिये जाने का इंतजार कर रहा है, लेकिन केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

राय ने कहा, ''पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में जिन लोगों की जान गई, उनके परिजन आज भी यह उम्मीद लगाए बैठे हैं कि सरकार कब इस पर गंभीरता से कोई ठोस कार्रवाई करेगी, लेकिन दुर्भाग्यवश, सरकार इन गंभीर मसलों पर पूरी तरह विफल साबित हो रही है।'' उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार केवल दिखावे की राजनीति कर रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य अमरपाल मौर्य ने सोमवार को राय के इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, ''कांग्रेस ने हमेशा सुरक्षा बलों का अपमान किया है और उनकी क्षमताओं पर संदेह जताया है। राय का बयान उसका एक और उदाहरण है। हालांकि, मैं यह कहना चाहता हूं कि कांग्रेस पार्टी और सभी राष्ट्र विरोधियों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।'' उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा पर सरकार के रुख पर जोर देते हुए कहा, ''हमारी सरकार ने सुरक्षा बलों को देश के दुश्मनों के खिलाफ हमले की प्रकृति और समय तय करने की पूरी छूट दी है।''

मौर्य ने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस मोड़ पर भी जब सभी को दुश्मन से निपटने के लिए एकजुट होना चाहिए, कुछ लोग निम्न-स्तरीय राजनीति करने से खुद को नहीं रोक पा रहे हैं।''

इस बीच, राय के बयान पर टिप्पणी करते हुए फैजाबाद से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा, ''मैंने (राय का) बयान नहीं सुना है, लेकिन मुझे लगता है कि पूरा विपक्ष पहले दिन से ही इस कायराना आतंकवादी हमले के लिए देश के दुश्मनों के खिलाफ मुंहतोड़ जवाब की मांग कर रहा है। मुझे लगता है कि इस संबंध में हमारे दृष्टिकोण में कोई बदलाव नहीं आया है।''

दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता के लिए चीन हमेशा पाकिस्तान का समर्थन करेगा: चीनी राजदूत

इस्लामाबाद/भाषा। पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर इस्लामाबाद और दिल्ली के बीच तनाव के बीच सोमवार को चीनी राजदूत जियांग जैदोंग ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से मुलाकात की और कहा कि चीन दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तान का हमेशा समर्थन करेगा। सरकारी 'रेडियो पाकिस्तान' की रिपोर्ट के मुताबिक, जैदोंग ने राष्ट्रपति जरदारी से मुलाकात की और पाकिस्तान एवं भारत के बीच तनाव सहित विभिन्न मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। बैठक के दौरान राष्ट्रपति जरदारी ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत द्वारा हाल में उठाए गए कदमों पर चिंता व्यक्त की और कहा कि इस तरह की कार्रवाई क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए खतरा हैं। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध और खराब हो गए हैं। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। भारत ने पिछले हफ्ते पाकिस्तान से आने वाले या वहां से गुजरने वाले माल के आयात तथा अपने बंदरगाहों पर पाकिस्तानी जहाजों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था।

बातचीत

नई दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने नई दिल्ली में दिल्ली भाजपा कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) मार्शलों के साथ बातचीत की।

'रेड 2' की सफलता से वाणी कपूर बेहद खुश

मुंबई/एजेन्सी

2018 की हिट फिल्म 'रेड' का सीक्वल 'रेड 2' सिनेमाघरों में धमाल मचा रहा है। इसका जलवा बॉक्स ऑफिस पर साफ देखा जा सकता है। रविवार को फिल्म ने 70.50 करोड़ रुपये कमाए, जिससे यह 100 करोड़ क्लब की तरफ बढ़ती नजर आ रही है। फिल्म की कमाई से स्टार कास्ट काफी खुश है। वाणी कपूर भी! जिन्होंने मुख्य अभिनेत्री का किरदार निभाया है। वाणी कपूर काफी खुश हैं कि उनकी फिल्म 'रेड 2' सिर्फ चार दिनों में बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई है। अभिनेत्री ने फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा, बॉक्स ऑफिस पर सफलता पाना खास अहसास होता है, जैसे कोई सपना सच हो रहा हो। जब आप ऐसी फिल्म का हिस्सा बनते हैं जो दर्शकों से जुड़ती है, तो यह देखकर काफी अच्छा लगता है। फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया दिल को छू लेने वाली है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर खुद को बेहद भाग्यशाली महसूस कर रही हूं।

वाणी फिल्म में अपनी एक्टिंग के लिए चारों ओर से तारीफें बटोर रही हैं।

उन्होंने कहा, इस फिल्म की कहानी बहुत दमदार है। निर्देशक राज कुमार गुप्ता के साथ इस प्रोजेक्ट पर काम करना मेरे लिए शानदार अनुभव रहा है। इस फिल्म से बहुत कुछ सीखने को मिला है। मेरे किरदार की सराहना के लिए आप सभी का धन्यवाद।

रेड टू की अभिनेत्री ने आगे कहा, अजय देवगन सर और राज कुमार गुप्ता सर के साथ काम करके मैंने बहुत कुछ सीखा, जिससे मैं एक कलाकार के तौर पर और बेहतर बन पाई हूं। फिल्म की सफलता मेरे लिए बहुत मायने रखती है। दर्शकों से मिलने वाली प्रतिक्रिया मुझे मेहनत करने और लगातार बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है। फिल्म 'रेड 2' में अजय देवगन और वाणी कपूर के अलावा अमित सियाल, रितेश देशमुख, यशपाल शर्मा, सौरभ शुक्ला और सुप्रिया पाठक लीड रोल में हैं।

पहलगाम आतंकी हमला: जापान ने भारत को 'पूर्ण समर्थन' की पेशकश की

नई दिल्ली/भाषा। भारत और जापान ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर आतंकवाद से निपटने के लिए एकजुट वैश्विक प्रयासों पर जोर दिया और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत को निशाना बनाकर ''सीमा पार'' आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की पाकिस्तान की नीति की निंदा की।

गत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का मुद्दा सिंह और उनके जापानी समकक्ष जनरल नकातानी के बीच हुई बातचीत में प्रमुखता से उठा।

बातचीत में मुख्य रूप से टैंक इंजन और एयरो इंजन सहित नए क्षेत्रों में भारत-जापान रक्षा संबंधों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''सिंह ने भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद की पाकिस्तान की नीति की निंदा की, जिसे सरकार और सरकार से इतर तत्वों के माध्यम से अंजाम दिया जाता है।''इसमें कहा गया, ''उन्होंने कहा कि इस तरह के हमले क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा को अस्थिर करते हैं। राजनाथ सिंह ने आतंकवाद और इसे बढ़ावा देने वाली सरकार प्रायोजित कार्रवाइयों के खिलाफ एकजुट रुख अपनाने का आह्वान किया।''

मंत्रालय ने कहा कि जापानी रक्षा मंत्री ने आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और भारत को ''पूर्ण समर्थन'' की पेशकश की।

इसने कहा कि दोनों मंत्रियों ने भारत और जापान के बीच ''मजबूत'' समुद्री सहयोग में ''नए आयाम जोड़ने'' पर सहमति व्यक्त की। नकातानी की भारत यात्रा पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच हुई है। प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में अपने प्रारंभिक वक्तव्य में सिंह ने कहा, ''मैं पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत के साथ एकजुटता की मजबूत अभिव्यक्ति के लिए जापान सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं।'' नकातानी ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति एकजुटता व्यक्त की।

सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत की जापान के साथ विशेष, रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी है। द्विपक्षीय बैठक के दौरान हमने रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा की।''

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह और नकातानी ने भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के रक्षा और सुरक्षा आयामों की समीक्षा की।

बयान में कहा गया, ''उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और क्षेत्रीय शांति में योगदान देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।'' इसमें कहा गया कि मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच रक्षा अभ्यासों और आदान-प्रदान बढ़ने का स्वागत किया। बैठक के दौरान, सिंह ने भारतीय रक्षा उद्योग की क्षमता, विशेषकर टैंक इंजन और एयरो इंजन सहित नए क्षेत्रों में जापानी पक्ष के साथ सहयोग करने की इसकी क्षमता को रेखांकित किया।

'कपूर लेडीज' संग दिखे कपिल शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा टीवी, ओटीटी और बॉलीवुड इंडस्ट्री में तहलका मचा रहे हैं। वह अपने मस्ती भरे अंदाज से लोगों के दिलों में खास जगह बना रहे हैं। कपिल सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं। उनका हर एक पोस्ट शेयर करते ही इंटरनेट पर वायरल हो जाता है। इस बीच उन्होंने एक और पोस्ट शेयर किया है, जिसमें दिग्गज अदाकारा नीतू सिंह, उनकी बेटी रिद्धिमा कपूर और बाकी अन्य लोग भी नजर आ रहे हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए फोटो में कपिल शर्मा अपनी पत्नी गिन्नी चतरथ, नीतू सिंह और उनकी बेटी रिद्धिमा कपूर, एक्ट्रेस सादिया खातीब और फैशन डिजाइनर कोमल साहनी के साथ नजर आ रहे हैं। सभी मुस्कुराते हुए कैमरे की ओर पोज दे रहे हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए कपिल ने कैप्शन में लिखा- 'सफर के मीलों, अनगिनत कहानियों, और पर्दे के पीछे ढेर सारा प्यार से भरा अनुभव।' फैंस इस फोटो को जमकर पसंद कर रहे हैं।

कपिल को कॉमेडी का बादशाह कहा जाता है, आज वह घर-घर में लोकप्रिय हैं। अपनी बातों से वह लोगों के चेहरे पर हंसी ला देते हैं। उन्होंने 'हंसदे हंसादे रवो' टीवी शो से कॉमेडी की दुनिया में डेब्यू किया था। वह 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज-3' के विनर भी रहे। इस शो को जीतने के बाद उनकी किस्मत पलट गई और इसके बाद वे 'कॉमेडी सर्कस' में नजर आए। उन्होंने खुद का प्रोडक्शन हाउस 'के9' भी खोला।

कपिल ने कलर्स चैनल के साथ मिलकर 'कॉमेडी नाइटस विद कपिल' शुरू किया, जो काफी हिट रहा। उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा। 2016 में वह डायरेक्टर अब्बास-मस्तान की फिल्म 'किस किस को प्यार करूं' में लीड रोल में नजर आए। इसके बाद उन्होंने 'फिरंगी' और 'ज्विगाटो' में काम किया और पंजाबी फिल्म 'सन ऑफ मंजीत सिंह' प्रोड्यूस की। उन्हें करीना कपूर खान, तब्बू और कृति सेनन की फिल्म 'क्रू' में भी देखा गया।

बातचीत

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने वाणिज्य विभाग और डीपीआईआईटी से सहायक सचिव के रूप में जुड़े प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों के साथ नई दिल्ली में बातचीत की।

साड़ी मेरा पसंदीदा परिधान है : लक्ष्मी मांचू

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय अभिनेत्री, फिल्म निर्माता और साउथ के साथ ही अमेरिकी टेलीविजन में काम कर चुकीं लक्ष्मी मांचू ने बताया कि उन्हें साड़ी से खास लगाव है। यह उनका पसंदीदा परिधान है। साड़ी के प्रति अपने प्रेम का इजहार करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वह ऐसी महिला हैं, जो कॉफी शॉप में भी साड़ी पहनकर जाती है। लक्ष्मी मांचू 'मेक इन इंडिया' के तहत एक इवेंट में शामिल हुईं, जिसमें कांचीपुरम, कोटा साड़ियों के अलावा देश के अन्य हिस्सों के कपड़े देखने को मिले। लक्ष्मी ने कहा, मुंबई में असली जरी नहीं मिलती है। मैंने मास्टर कारीगरों से मिलकर असली जरी खरीदी और उनसे अपनी खास साड़ी तैयार कराई। मैंने कलमकारी डिजाइन भी हाथ से बनाए, जिसके बारे में बुनकरों ने खुद कहा कि उन्होंने यह पहले कभी नहीं देखा था। लक्ष्मी ने बताया कि साड़ियां सबसे सुंदर परिधानों में से एक हैं, जो भारतीय परंपराओं और संस्कृति के सार को दिखाती हैं। उन्होंने कहा, मैं ऐसी महिला हूं जो मुंबई में कॉफी शॉप में भी साड़ी पहनकर जाती है, क्योंकि मेरे लिए यह सबसे सुंदर और पसंदीदा परिधान है। मेरा मानना है कि हमें अपने पहनावे के माध्यम से अपनी परंपराओं और संस्कृति को दुनिया के सामने लाना चाहिए। साड़ी दुनिया भर में पसंद की जाती है। लक्ष्मी मांचू मशहूर अभिनेता मोहन बाबू की बेटी हैं। उन्होंने अमेरिकी टेलीविजन सीरीज 'लास वेगास' से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने जेम्स लेसुरे की प्रेमिका की भूमिका निभाई थी। इसके बाद अभिनेत्री 'लेट नाइटस विद माई लवर' और 'मिस्ट्री ईआर', यक्षिणी जैसी सीरीज में भी काम कर चुकी हैं। अभिनेत्री साल 2022 में आई फिल्म 'मॉन्स्टर' में नजर आईं। एक्शन-थ्रिलर का निर्देशन वैसाख ने किया है। फिल्म में लक्ष्मी मांचू के साथ मोहनलाल, हनी रोज, सिद्दीकी, सुदेव नायर, केबी गणेश कुमार, लीना, जॉनी एंटनी और जगपति बाबू मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा वह अपने पिता के साथ 'अग्नि नक्षत्रम' में भी काम कर चुकी हैं।

अमोल पराशर एक शानदार अभिनेता हैं : निम्रत कौर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री निम्रत कौर ने कहा है कि अभिनेता अमोल पराशर न सिर्फ एक शानदार अभिनेता हैं, बल्कि उनके बेहतरीन को-स्टार भी हैं। निम्रत कौर ने थ्रिलर सीरीज कुल: द लीगेसी ऑफ द रायसिंह्स' में अमोल पराशर के साथ काम किया है। बालाजी डिजिटल निर्मित, एकता आर कपूर और शोभा कपूर द्वारा प्रस्तुत तथा साहिर रज़ा के निर्देशन में बनी सीरीज कुल: द लीगेसी ऑफ द रायसिंह्स जियोहॉटस्टार पर दो मई से स्ट्रीम हो रही है। सीरीज़ कुल: द लीगेसी ऑफ द रायसिंह्स' एक ऐसे शाही परिवार के भीतर के रिश्तों, प्यार और बदले की जटिलताओं को उजागर करती है, जहां झूठ और दर्द के बीच सच्चाई की तलाश एक रोमांचक सफर पर ले जाती है। इस सीरीज में निम्रत कौर और अमोल पाराशर के अलावा ऋद्धि डोगरा, गौरव अरोड़ा, रोहित तिवारी और राहुल वोहरा जैसे शानदार कलाकार भी हैं। सीरीज़ 'कुल' की शूटिंग के दौरान का अनुभव साझा करते हुए निम्रत कौर ने अपने को-स्टार और रियल लाइफ भाई जैसे दोस्त अमोल पाराशर से जुड़ी कुछ मज़ेदार घटनाओं को याद किया। निम्रत कौर ने कहा,अमोल तो जैसे चोट खाने में माहिर थे। मुझे दो सीन

खासतौर पर याद हैं। एक बार ऋद्धि के किरदार को उन्हें धक्का देना था और अमोल एक टेबल पर गिरते हैं, जो सीन का हिस्सा था। लेकिन फिर वो सच में उस टेबल के काँच से टकराकर गिर पड़े। निम्रत कौर ने कहा, एक बार एक को-एक्टर को अमोल पर फोन फेंकना था, लेकिन वो गलती से सीधा उनके सिर पर लग गया। सच कहूं तो ये सेट पर एक मजाक बन गया था, लेकिन हमें खुशी है कि अमोल,जो न सिर्फ एक शानदार अभिनेता हैं, बल्कि मेरे बेहतरीन को-स्टार भी हैं, उन्हें चोट नहीं आई और आज भी यह किस्सा हंसते हुए सुनाते हैं। इन सबके बावजूद, शूटिंग का अनुभव बेहद मजेदार रहा। पूरी कास्ट और क्रू कमाल के थे, और कैमरे के पीछे की मस्ती ने इसे और भी खास बना दिया।

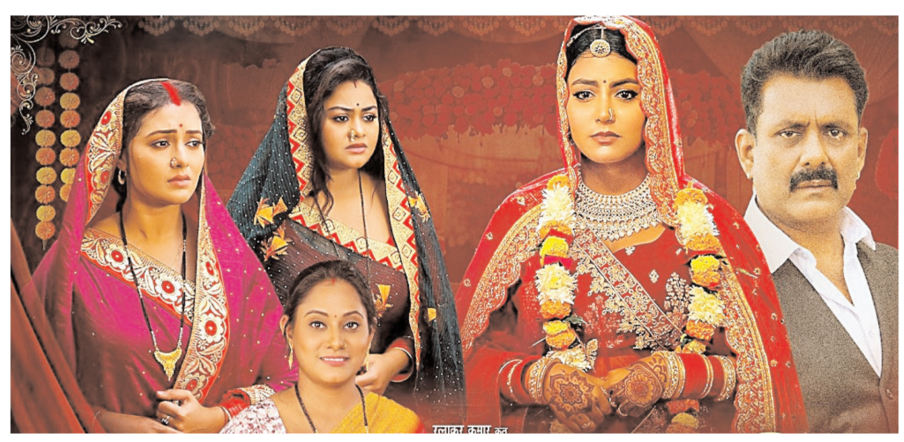

फिल्म 'कन्यादान 2' का ट्रेलर

मुंबई/एजेन्सी

फ़िल्म निर्माता एवं वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स म्यूजिक कंपनी के एमडी रत्नाकर कुमार ने भोजपुरी फिल्म 'कन्यादान 2' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। फिल्म कन्यादान 2 के ट्रेलर मेंसुशील सिंह चुनौतीपूर्ण किरदार में दिख रहे हैं। वे संतान ना पैदा होने की वजह से बहुत परेशान व बेचैन रहते हैं। इस वजह से उन्हें एक दो नहीं तीन शादियां करनी पड़ती है। लेकिन परिस्थितिवश पहली पत्नी मणि भट्टाचार्य और दूसरी पत्नी तनु श्री को सुशील सिंह अपनी पत्नी के अधिकार से मुक्त कर देते हैं और वह दोनों अलग जीवन यापन करना शुरू करती हैं। कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब मझली पत्नी से एक बेटी का जन्म होता है। यह खबर जब सुशील सिंह को मिलती है तो वह बेटी का मुंह देखना चाहते हैं लेकिन दोनों पत्नियां उन्हें पिता का अधिकार नहीं देना चाहती हैं लेकिन बेटी माही श्रीवास्तव के बड़ी होने पर बेटी के इच्छा अनुसार उसे अपने पिता के पास जाने से दोनों पत्नियां रोक नहीं पाती हैं। पिता अपनी बेटी का कन्यादान धूमधाम से करना चाहते हैं। यह ट्रेलर वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इस फिल्म की पूरी शूटिंग उत्तर प्रदेश के वाराणसी के विभिन्न क्षेत्रों में की गई है।

उल्लेखनीय है कि वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स लिमिटेड, रत्नाकर कुमार और जितेंद्र गुलाटी प्रस्तुत वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स लिमिटेड बैनर के तले भोजपुरी फ़िल्म 'कन्यादान 2' का निर्माण किया गया है। इस फ़िल्म के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। सह-निर्मात्री निवेदिता कुमार हैं। इस फ़िल्म का निर्देशन सुशील कुमार उपाध्याय ने किया है। इस फ़िल्म के मुख्य कलाकार सुशील सिंह, मणि भट्टाचार्य, तनुश्री चटर्जी, माही श्रीवास्तव, श्वेता वर्मा, प्रकाश जैस, अनिल रस्तोगी, संदीप कुमार यादव, विद्या सिंह, रश्मी शर्मा, शालिनी श्रीवास्तव, सोनाली मिश्रा, कविता राज सिंह, धर्मेंद्र सिंह, दिनेश श्रीवास्तव, शुभम तिवारी, योगेश पांडेय, लाडो गुप्ता (बाल कलाकार) आदि हैं। फ़िल्म के लेखक धर्मेन्द्र सिंह, संगीतकार ओम झा, साहिल खान, गीतकार शकील आजमी, प्यारेलाल यादव, कुमार सोना हैं। डीओपी अशोक कुमार पंडा, संपादक गुरजंट सिंह, कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी हैं। कला रामबाबू ठाकुर का है। पोस्ट प्रोडक्शन 3 स्टूडियो में किया गया है। म्यूजिक राइटस वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के पास है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
8
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 06-05-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में सोमवार को पावापुरी मंदिर में 10वां ध्वजारोहण कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं धार्मिक श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ।

दूसरों की रक्षा के लिए अपमान सहने वाला ही सच्चा स्वाभिमानी : संतश्री कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ऐलीपुर (टुमकूर)। टुमकूर की ओर विहाररत राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी 'कमलेश' ने सोमवार को ऐलीपुर ग्राम में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वाभिमान गिरवी रखकर प्राप्त किया हुआ सोना, चांदी, महल भी मिट्टी के समान है और स्वाभिमान की सूखी रोटी भी पांच पकवान से बढ़कर है। जिस व्यक्ति के जीवन में देश के प्रति स्वाभिमान नहीं होता वह जिंदा भी मुर्दे के समान है। स्वाभिमान ही धर्म का प्रवेश द्वार है, इसके बिना कितना ही दान, त्याग, तपस्या की जाएं, सब व्यर्थ हैं। यहां तक कि यदि संत भी बन जाए तो भी विश्व के किसी धर्म में प्रवेश नहीं हो सकता है। विश्व के सभी महापुरुषों ने स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना तन, मन, धन सर्वस्व न्योछावर कर दिया। संतश्री ने कहा कि स्वाभिमान और अभिमान में दिन-रात का अंतर है, स्वाभिमान अमृत है तो अभिमान जहर है।

दूसरों को नीचा दिखाने के लिए किया गया काम अभिमान का पोषण करता है और सब की रक्षा के लिए अपमान सहने वाला ही सच्चा स्वाभिमानी है। विहार के दौरान संतवृंदों में सिख प्रतिष्ठान पर ठहराव किया जहां उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी ने धर्म देश के स्वाभिमान की रक्षा के लिए चारों शहजादों को हंसते-हंसते शहीद करवा दिया था, जैन श्रावक दानवीर टोडरमल जैन ने सिख समाज सहित संपूर्ण मानव समाज के स्वाभिमान के लिए गुरु गोविंदसिंहजी के दोनों बच्चों के अंतिम क्रिया के लिए स्वर्ण मुद्राओं का भंडार समर्पित कर दिया था।

इस मौके पर अवतार सिंह, गुरजंत सिंह, एकम जिंता सिंह, सुखजीत सिंह कौर, सिमरजीत सिंह, कौर चरणजीत सिंह आदि ने संतश्री कमलमुनिजी, घनश्याममुनिजी, अक्षतमुनिजी, कौशलमुनिजी व सक्षममुनिजी आदि का स्वागत करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। गुरुवार को मुनिश्री की टुमकूर पहुंचने की संभावना है।

शांतिनाथ हिन्दी हाईस्कूल का एसएसएलसी परीक्षा परिणाम रहा 74 प्रतिशत

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत । शहर के जैन राजस्थानी विद्या प्रचारक मंडल द्वारा संचालित घंटीकेरी स्थित दक्षिण भारत का एकमात्र हिंदी माध्यम स्कूल शांतिनाथ हिंदी हाईस्कूल का वर्ष 2024-25 का एसएसएलसी कक्षा का परिणाम 74 प्रतिशत रहा। परीक्षा में 27 विद्यार्थी शामिल हुए जिनमें से 2 विद्यार्थी उच्च श्रेणी में, 10 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में, 4-4 विद्यार्थी द्वितीय व तृतीय श्रेणी में पास हुए। कुमारी मन्नत राजपुरोहित ने 92.48% अंक, मनीषा कंवर राजपूत ने 89.76% तथा निकिता कुमारी ने 81.60% अंक प्राप्त किए। मंडल के अध्यक्ष भंवरलाल जैन सहित अन्य पदाधिकारियों व शिक्षकों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

पावापुरी मंदिर पर पूरे विधि विधान से हुआ 10वां ध्वजारोहण

लाभार्थी परिवार सहित ट्रस्ट के अनेक सदस्य उपस्थित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में सोमवार को पावापुरी मंदिर में 10वां ध्वजारोहण कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं धार्मिक श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। ध्वजा लाभार्थी चंपाबाई गुलाबचंद राठौड़ परिवार द्वारा मंदिर के शिखर पर पूरे विधि विधान से ध्वजारोहण किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत प्रभु प्रतिमा के पक्षाल, स्नात्र पूजा

एवं सुमतिनाथ महिला मंडल द्वारा सत्तरभेदी पूजा से हुई। इस अवसर पर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल चौहान, उपाध्यक्ष वसंत राठौड़, सचिव प्रवीण दांतेवाड़िया, कोषाध्यक्ष पारस सतावत सहित ट्रस्टी डॉ. मदनलाल, अशोक जैन, कांतिलाल भंडारी, फूटरमल जैन, जयंतीलाल राठौड़, प्रकाश जैन, राजू जैन एवं शांतिलाल जैन आदि उपस्थित रहे।

लाभार्थी परिवार का ट्रस्ट की ओर से विधिवत सम्मान किया गया। आज के दिन वार्षिक पूजा व अन्य चढ़ावे भी बोले गए।

अंकुश संकलेचा - अध्यक्ष

अजय ओस्तवाल - सचिव

संकलेचा बने मायुम हुब्बल्ली के अध्यक्ष, ओस्तवाल बने सचिव

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। मारवाड़ी युवा मंच की हुब्बली शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें अंकुश संकलेचा को अध्यक्ष, अजय ओस्तवाल को सचिव, आकाश चोपड़ा को कोषाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष अमर वैष्णव ने बताया कि सर्व सम्मत्ति से बनी कार्यकारिणी समिति कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा के नेतृत्व में अपना कार्यभार संभालेगी। पूर्व अध्यक्ष सुभाषचंद्र डंक ने मंच की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। नए अध्यक्ष अंकुश संकलेचा ने कहा कि मंच के अमृतधारा योजना के तहत पानी के प्याऊ की स्थापना, रक्तदान शिविर, कैंसर जांच एवं जागरूकता सहित अन्य कार्यों को गति प्रदान करेंगे।

प्रभु सुमतिनाथ के जन्म कल्याणक पर किया अन्नदान

मैसूरु/दक्षिण भारत । शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में सोमवार को हर्षोल्लास से प्रभु सुमतिनाथ का जन्म कल्याणक मनाया गया। मीरादेवी हंजारीमल परिवार ने स्नात्र महोत्सव का लाभ लिया। 800 से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रभु सुमतिनाथ प्रतिमा का अभिषेक किया। प्रथम अभिषेक का लाभ भंवरलाल मिश्रीमल परिवार एवं परमात्मा की पूजा का लाभ पी. कपूरचंद परिवार ने लिया। सुमतिनाथ जैन नवयुवक संगीत मंडल ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। विधि विधान नितेश गुरुजी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के पश्चात मंदिर के सामने अनुकंपा दान-अन्नदान का आयोजन किया जिसमें ट्रस्टी प्रकाश सालेचा, विमल भैंसवाडा, राजेंद्र सोलंकी, सुरेश भिरलोचा, जयंतीलाल परमार, जितेंद्र वाणीगोता, सुमतिनाथ नवयुवक मंडल अध्यक्ष जयकुमार सालेचा, उपाध्यक्ष विनोद ओसवाल, सचिव ललित राठौड़, सहसचिव संदीप संकलेचाएवं दलीचंद श्रीश्रीमाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

जीतो स्पोर्ट्स टेनिस क्रिकेट लीग में दिख रहा है खिलाड़ियों का उत्साह

मैन ऑफ दि मैच विजेता खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कनकपुरा रोड स्थित जैन इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल में आयोजित जीतो स्पोर्ट्स टेनिस क्रिकेट लीग 2025 में देशभर से आई 24 टीमों को विभिन्न ग्राउंड्स में मैच खेले। ग्राउंड एक पर मुंबई ज़ोन बनाम हैदराबाद टीम का मैच हुआ जिसमें मुंबई ज़ोन टीम ने जीत दर्ज की। दूसरा मैच कोलकाता और बेंगलूरु टीम के बीच हुआ जिसमें कोलकाता टीम विजयी रही। दीपक जैन को मैन ऑफ दि मैच चुना गया और उन्हें साउथ चैप्टर के महामंत्री नितिन लूनिया द्वारा रजत सिक्के से सम्मानित किया गया। ग्राउंड दो पर इंदौर टीम ने उमंग और उत्साह के साथ अपना पहला मैच खेला। मुंबई और बेंगलूरु टीम के बीच मुंबई टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। कशिश जैन को मैन ऑफ दि मैच चुना गया और सम्मान किया। ग्राउंड तीन पर वापी और नासिक टीम के बीच नासिक टीम विजयी हुई। पाली और उदयपुर टीम के बीच हुए मुकाबले में पाली टीम ने जीत हासिल की। चेन्नई 11 और उदयपुर टीम के मुकाबले में उदयपुर टीम ने बाजी मारी। मानव जैन को मैन ऑफ दि मैच घोषित किया गया।हैदराबाद और पुणे टीम के बीच खेले गए मुकाबले में पुणे टीम विजयी रही। ऋषभ बम्बोरी को मैन ऑफ दि मैच चुना गया। मिडटाउन और बेंगलूरु साउथ टीम के बीच हुए मैच में बेंगलूरु साउथ टीम ने जीत हासिल की। मैन ऑफ दि मैच का खिताब भी अपने नाम किया। अपेक्स स्पोर्ट्स चेयरमैन विक्की ओसवाल से सम्मानित किया।

आयोजक जीतो बेंगलूरु द्वारा खिलाड़ियों के मनोरंजन हेतु सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। जीतो स्पोर्ट्स अपेक्स से स्पोर्ट्स चेयरमैन विक्की ओसवाल, जीतो चैप्टर बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी, नॉर्थ चेयरमैन विमल कटारिया ने उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। साउथ संयोजक चेतन बोहरा, सहसंयोजक श्रेयांश राखेचा, प्रोजेक्ट संयोजक सफल सकारिया और बेंगलूरु नॉर्थ से संयोजक शेखर जैन सहसंयोजक नितेश गांधी, प्रोजेक्ट संयोजक सतीश पोरवाड़ ने व्यवस्था संभाली। साउथ चैप्टर के महामंत्री नितिन लुनिया व नॉर्थ चैप्टर के महामंत्री विजय सिंघवी ने संचालन किया व धन्यवाद दिया।

जेवाईएस का सामूहिक सामायिक दिवस गुरुवार को

सामायिक कर मनाया जाएगा चतुर्विध संघ स्थापना दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जैन युवा संगठन (जेवाईएस) द्वारा चतुर्विध संघ-शासन स्थापना दिवस गुरुवार को मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केंद्र में विभिन्न साधु साध्वियों के सान्निध्य में सामायिक दिवस के रूप में मनाया जाएगा। समस्त जैन समाज को एक सूत्र में पिरोने के उद्देश्य से सामूहिक रूप से अपनी अपनी मान्यता के अनुसार श्रावक श्राविकाओं द्वारा दो-दो सामायिक का लक्ष्य रखा गया है। ज्ञातव्य है कि प्रभु महावीर द्वारा इसी दिन चतुर्विध संघ-शासन की स्थापना की गई थी। संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत ने बताया कि इस मौके पर आचार्यश्री उदयप्रभसूरीजी, मनीषप्रभसागरजी, भानुरत्नविजयजी, पुलकितमुनिजी, बसंतमुनिजी, साध्वीश्री कंचनकवरजी, तत्वज्ञाजी, आगमश्रीजी, पुनीतज्योतिजी, मेघाश्रीजी सहित समणीश्री सुयशनिधिजी का सान्निध्य प्राप्त होगा। मंत्री नीरज कटारिया ने बताया कि इस आयोजन हेतु जैन समाज के अधिकतर सभा संस्थाओं से सम्पर्क किया गया है और सामायिक दिवस का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। अध्यक्ष, मंत्री सहित उपाध्यक्ष मुकेश सुराना, सहमंत्री सुश्रुत चेलावत, कोषाध्यक्ष संतोष डूंगरवाल, समन्वय समिति संयोजक मुकेश बाबेल, सहसंयोजक अनुराग ललवाणी,रितेश मेहता एवं अन्य सदस्यों कार्यक्रम की व्यवस्था में जुटे हैं।

उत्तरप्रदेश सेवा मण्डल ने मनाया होलिकोत्सव, किया सम्मान

पहलगांव आंतकी हमला पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय उत्तरप्रदेश सेवा मण्डल का होलिकोत्सव रविवार को वैष्णव समाज भवन में मस्ती भरे तरानों और मनोहारी नृत्य प्रस्तुतियों के साथ मनाया गया। स्नेह मिलन समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि का रूप में उपस्थित कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक एमडी सिंह तथा मंडल के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। अध्यक्ष केके दुबे ने सभी का स्वागत किया और मण्डल द्वारा किए गए सेवा कार्यों की जानकारी देते हुए सहयोगियों को धन्यवाद दिया। मुख्य अतिथि एमडी सिंह, विशिष्ट अतिथि हमजा हुसैन, उत्तरप्रदेश सेवा मंडल के पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र गर्ग तथा कान्ति स्वीटस की ऊषा शर्मा का मंडल की ओर से सम्मान किया गया। होलिकोत्सव में महिलाओं, युवाओं व बच्चों सहित सब लोगों ने गीत-संगीत व नृत्य आदि के मनमोहक कार्यक्रमों का जमकर आनन्द लिया। प्रवीण मिश्रा एवं साथियों ने सदाबहार पुराने फिल्मी गीतों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। नन्दिनी श्रीनिवास, श्रीदेवी एवं अश्विनी कुमार ने मनमोहक अभिनय की प्रस्तुति दी। मंडल की ओर से समारोह में प्रस्तुति देने वाले बच्चों को पुरस्कार व प्रमाणपत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। मुख्य अतिथि सिंह ने कहा कि समाज के सभी वर्ग के लोगों को आपस में मिल-जुलकर रहना चाहिए। स्थानीय लोगों के साथ आपसी प्रेम व सद्भाव के साथ सामंजस्य बना कर रखें और जरूरतमंदों की मदद भी करें। इस अवसर पर नरेन्द्र अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष गोपाल चौरसिया, एनके गुप्ता, छोटेलाल चौरसिया, सूरज गोयल, प्रमोद जैन, प्रमोद गुप्ता, जितेन्द्र गुप्ता, विवेक गोयल, नवीन गोविल, पूर्व सचिव योगेश मित्तल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष प्रवीण मिश्रा ने किया और अन्त में सचिव वीके पटेल ने धन्यवाद दिया।

श्रेयांस पारणा समिति द्वारा सेवा सहयोगियों का किया गया सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। श्रेयांस पारणा समिति द्वारा अक्षय तृतीया के दिन आचार्य पार्श्वचंद्रजी एवं डॉ. पदमचंद्रमुनि एवं साध्वीगण, समणीवृंद के सान्निध्य में हुए वर्षीतप आराधकों के पारणा महोत्सव में सेवा देने वाली विभिन्न संस्थाओं का समिति की ओर से रविवार को जेपीपी जैन समणी सेंटर में सम्मान किया गया। समिति के चेयरमैन रमेशचंद सियाल एवं सह चेयरमैन मीठालाल लोढ़ा ने सभी सहयोगियों का स्वागत करते हुए कहा कि बेंगलूरु महानगर में 263 वर्षीतप आराधकों के एक स्थान पर अक्षय तृतीया पारणा का कीर्तिमान स्थापित होना, सभी संस्थाओं द्वारा विभिन्न व्यवस्थाओं में निस्वार्थ एवं अथक सेवाओं से संभव हुआ है। जेके महावीरचंद चोरड़िया ने कहा कि अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव को सफल बनाने में शहर के विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न महिला, बहु, सेवा, नवयुवक, सामायिक मंडल सहित अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों का समिति के पदाधिकारियों ने समर्पित सेवाओं के लिए सम्मान किया।इस अवसर पर राजेंद्रकुमार नाहर, महेन्द्रकुमार चोरड़िया, भंवरीलाल चोरड़िया, महेंद्रकुमार मेहता, महावीरचंद श्रीश्रीमाल, कोमलचंद धोका, रोशनलाल नाहर, रमेशकुमार गुगलिया, उत्तमचंद कोठारी ने संस्थाओं के पदाधिकारियों का सम्मान किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भीम सम्मेलन

बेंगलूरु के बिन्नी मिल रोड के डॉ. बीआर अंबेडकर मजदूर संघ द्वारा भीम सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। मुणोत ने डॉ भीमराव अंबेडकर के योगदान को याद करते हुए एकजुट रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि श्रम जीवन की सबसे बड़ी सम्पत्ति है। संघ के पदाधिकारियों ने मुणोत का सम्मान किया।

भगवान बसवण्णा के 2500 वचनों के 'फ्रेंच अनुवाद ग्रंथ' का विमोचन कल

बेंगलूर/दक्षिण भारत। बसवा समिति के सहयोग से भगवान बसवण्णा के 2500 वचनों का फ्रेंच भाषा में अनुवाद किया गया है तथा इसे सम्पादित व प्रकाशित कर अनुवाद ग्रंथ का रूप दिया गया है। इस ग्रंथ के विमोचन की जानकारी देते हुए पत्रकारों को संबोधित करते हुए बसवा समिति के अध्यक्ष अरविन्द जत्ती ने बताया कि भगवान बसवण्णा के वचनों के 'फ्रेंच अनुवाद ग्रंथ' का विमोचन 7 मई को शाम 6.30 बजे फ्रांस के महावाणिज्य दूत मार्क लेनी द्वारा 'फ्रांस के मित्र' कार्यक्रम में किया जाएगा। जत्ती ने बताया कि अभी तक भारत सहित विश्व की 27 भाषाओं में भगवान बसवण्णा के वचनों का अनुवाद किया जा चुका है। विदेशी भाषा में पर्सियन,अरबिक, नेपाली, फ्रेंच और जर्मनी भाषा में भी वचनों का अनुवाद किया गया है। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए

एलायन्स फ्रैन्चेस के अध्यक्ष डॉ. चिन्मया चिगातेरी ने कहा कि 'फ्रांस के मित्र' ने मानव मूल्यों का सुदृढ करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। इस कार्यक्रम से भारत और फ्रांस के साहित्यिक, सांस्कृतिक और कलात्मक पारस्परिक आदान-प्रदान होगा। इस मौके पर एलायन्स फ्रैन्चेस के निदेशक जीन मार्क भी उपस्थित थे।

कर्नाटक से पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा जाए : भाजपा

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कर्नाटक राज्य में पाकिस्तानी नागरिकों को तत्काल निकालने की मांग को लेकर राज्यपाल को एक याचिका प्रस्तुत करने के लिए हस्ताक्षर संग्रह अभियान की शुरुआत की। उन्होंने अभियान में भाग लेते हुए विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवडी नारायणस्वामी के साथ सोमवार को मल्लेश्वरम में ऑटो चालकों और रेहड़ी-पटरी वालों से मुलाकात कर हस्ताक्षर एकत्र किए और अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक एस. दत्तात्री, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, प्रदेश मीडिया संयोजक करुणाकर खासले, सह संयोजक प्रशांत के., मिल्क चैंबर के प्रदेश संयोजक राघवेंद्र शेट्टी, बी. नागेश, डीटी विजेंद्र, शरत हेगड़े, वेंकटप्रसाद मालेपति, जिला सह प्रवक्ता कांति शेट्टी सहित भाजपा जिला व मंडल नेता उपस्थित थे।

जीतो हुब्बल्ली के सदस्यों ने साध्वियों के किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के जीतो (जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन) चैप्टर के सदस्यों ने शुभ श्रमण आरोग्यम कार्यक्रम के तहत साध्वीश्री मल्लिश्री, आस्थाश्री, श्रद्धाश्री, परिज्ञाश्री, प्रणतिश्री और नवदीक्षित अक्षतनिधिश्री के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सदस्यों ने साध्वीश्री अक्षतनिधिजी को पीएमएच (प्रिवेंटिव मेडिकल हेल्थकेयर) कार्ड भेंट किया तथा जीतो की गतिविधियों की जानकारी दी। साध्वियों ने जीतो के कार्यों की सराहना की। इस मौके पर जीतो हुब्बल्ली के पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल जैन, मुख्य सविच प्रवीण चौधरी, जोन संयोजक भारत पटवारी, संयोजक सोहन तातेड़ गीता चेड्डा, कविता बाफना, गुलाब जैन, अक्षय बागरेचा, भरत गुलेचा, भरत तातेड़, बाहुबल जैन, भावेश नेतानी आदि उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.)
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com